

# Udar Cure Pro Herbal Formula



**Ayurvedic  
Proprietary medicine**

**Herbal juice :  
225 ml**

**M.R.P : 399**

**B.V : 135**

**Ayush, GMP,  
ISO, Kosher, and  
Halal certified**

Product by  
Rayhope Global

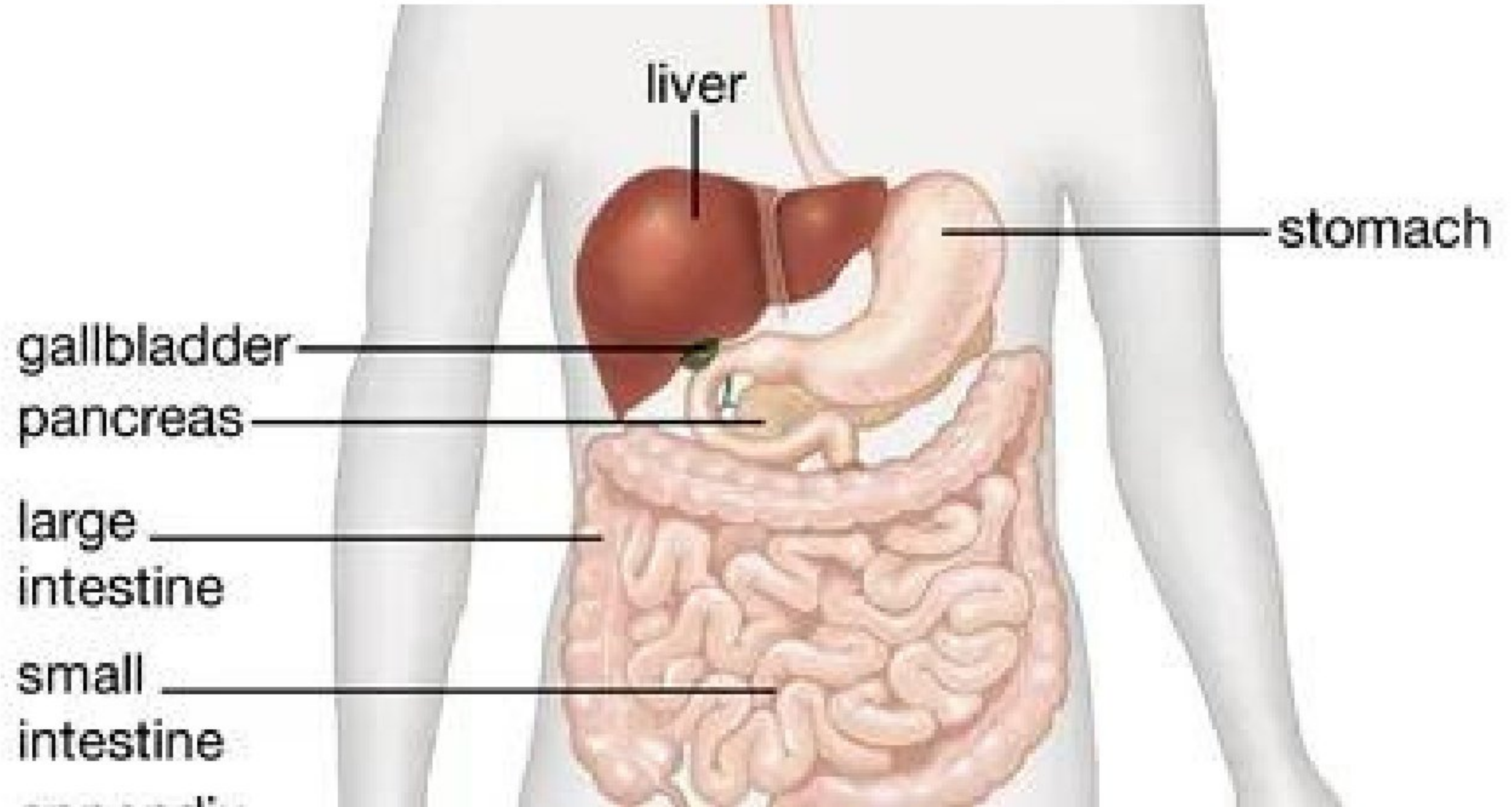


Rayhope Global Marketing Private Limited

कौन से ऐसे अंग है जिसका स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है किसी भी प्रकार का भोजन या एलोपैथिक या आयुर्वेदिक दवा को लेने के लिए



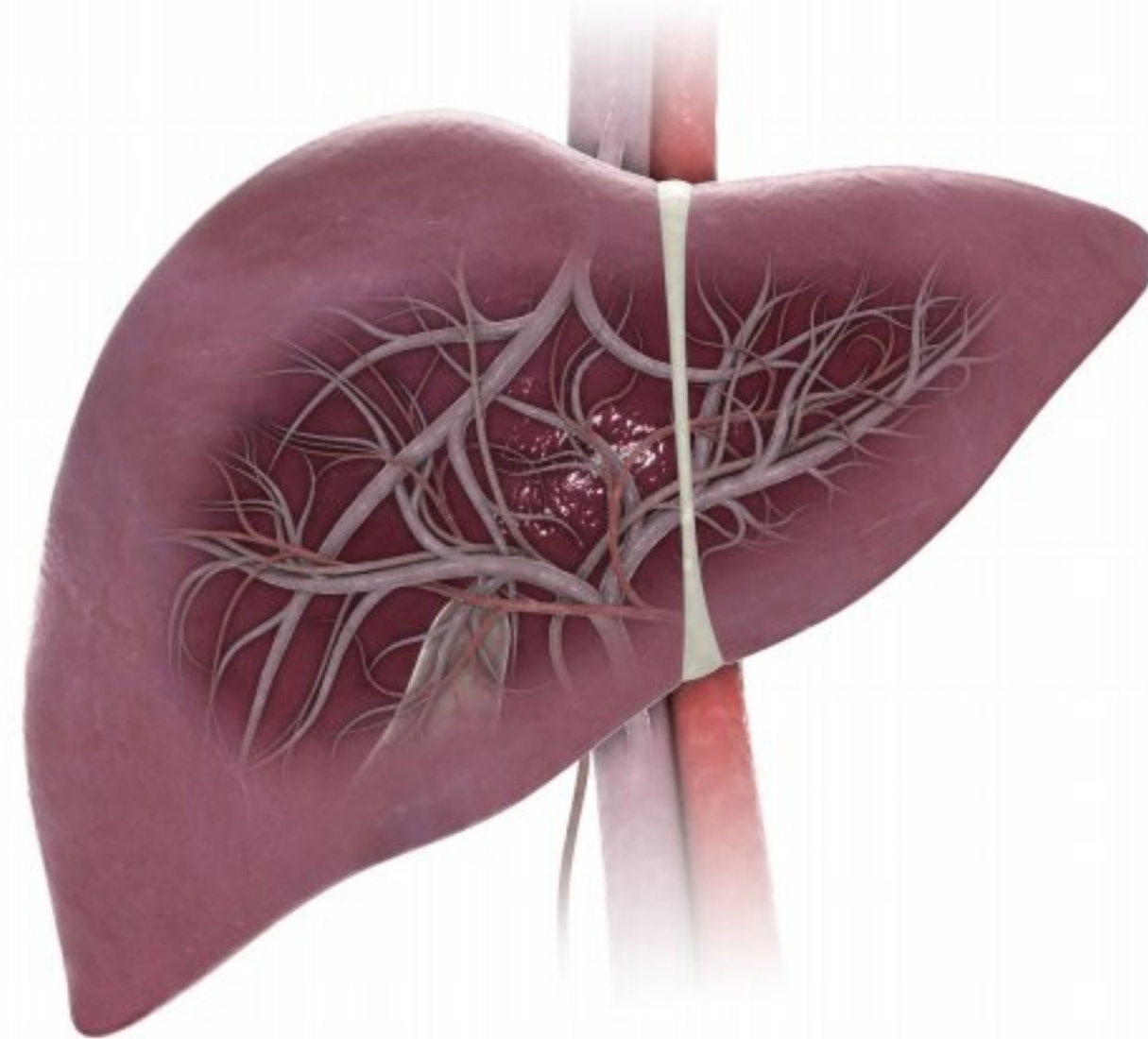
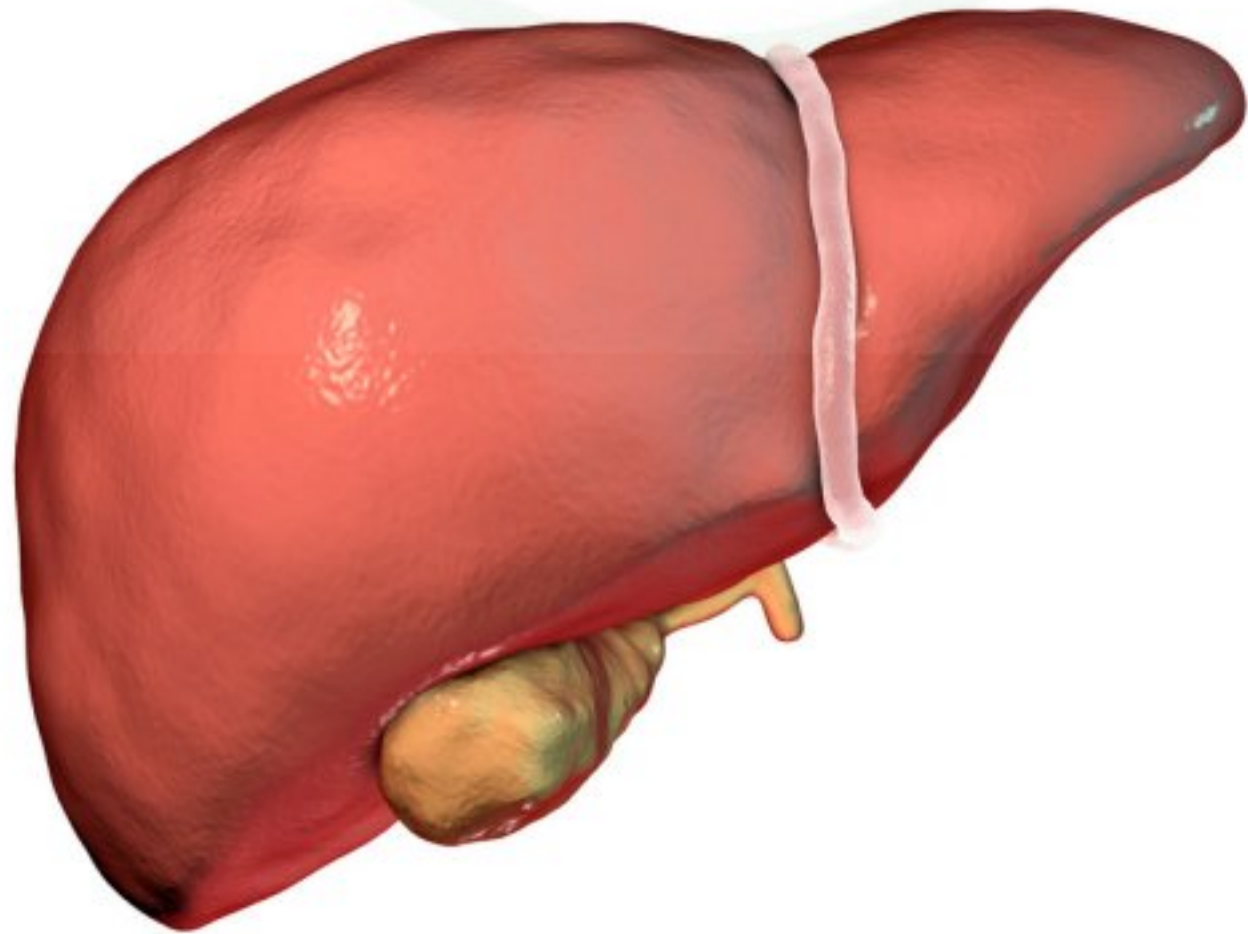
- लिवर (Liver)
- आमाशय (Stomach)
- छोटी आंत (small intestine)



# लिवर ( Liver)

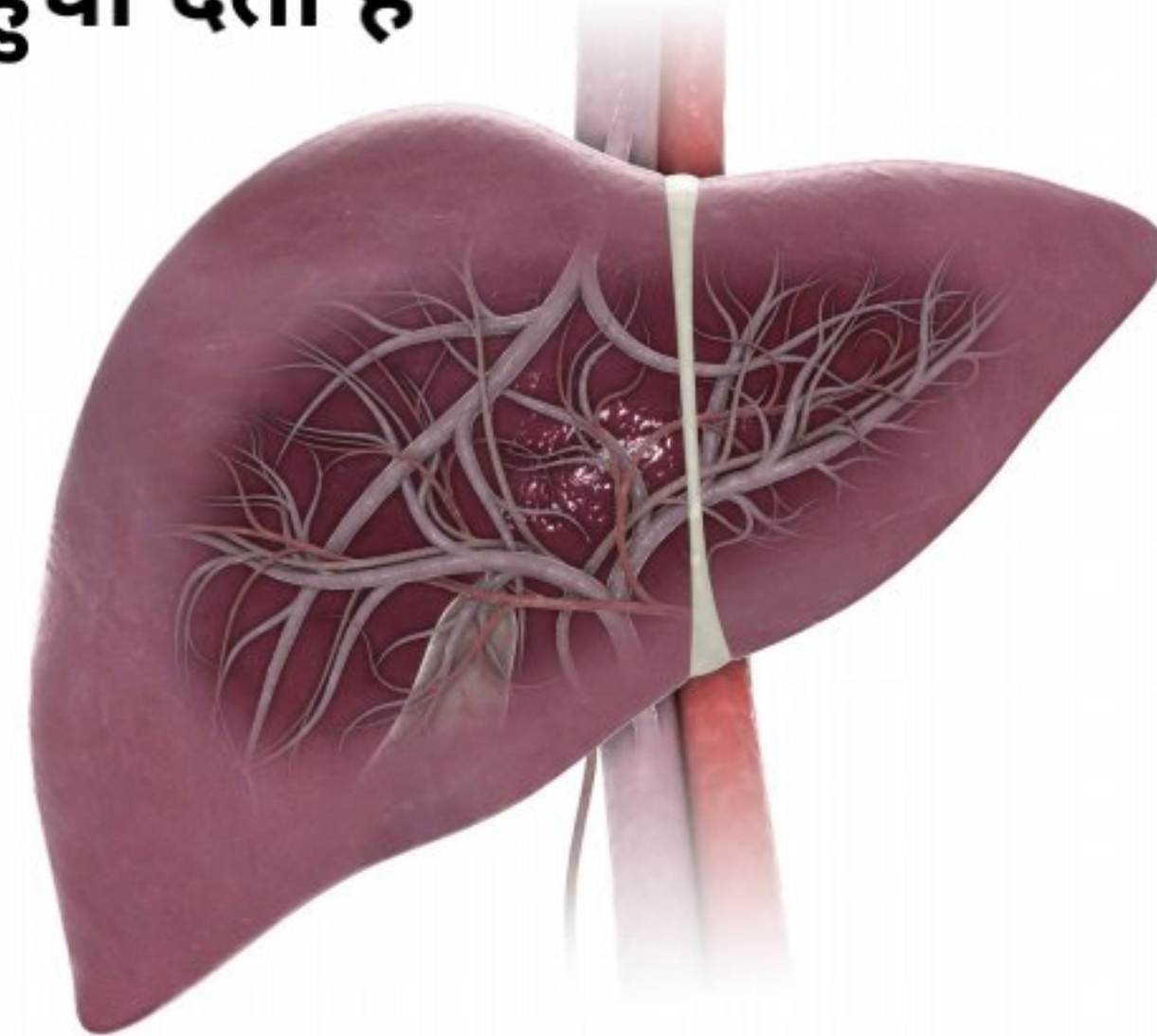
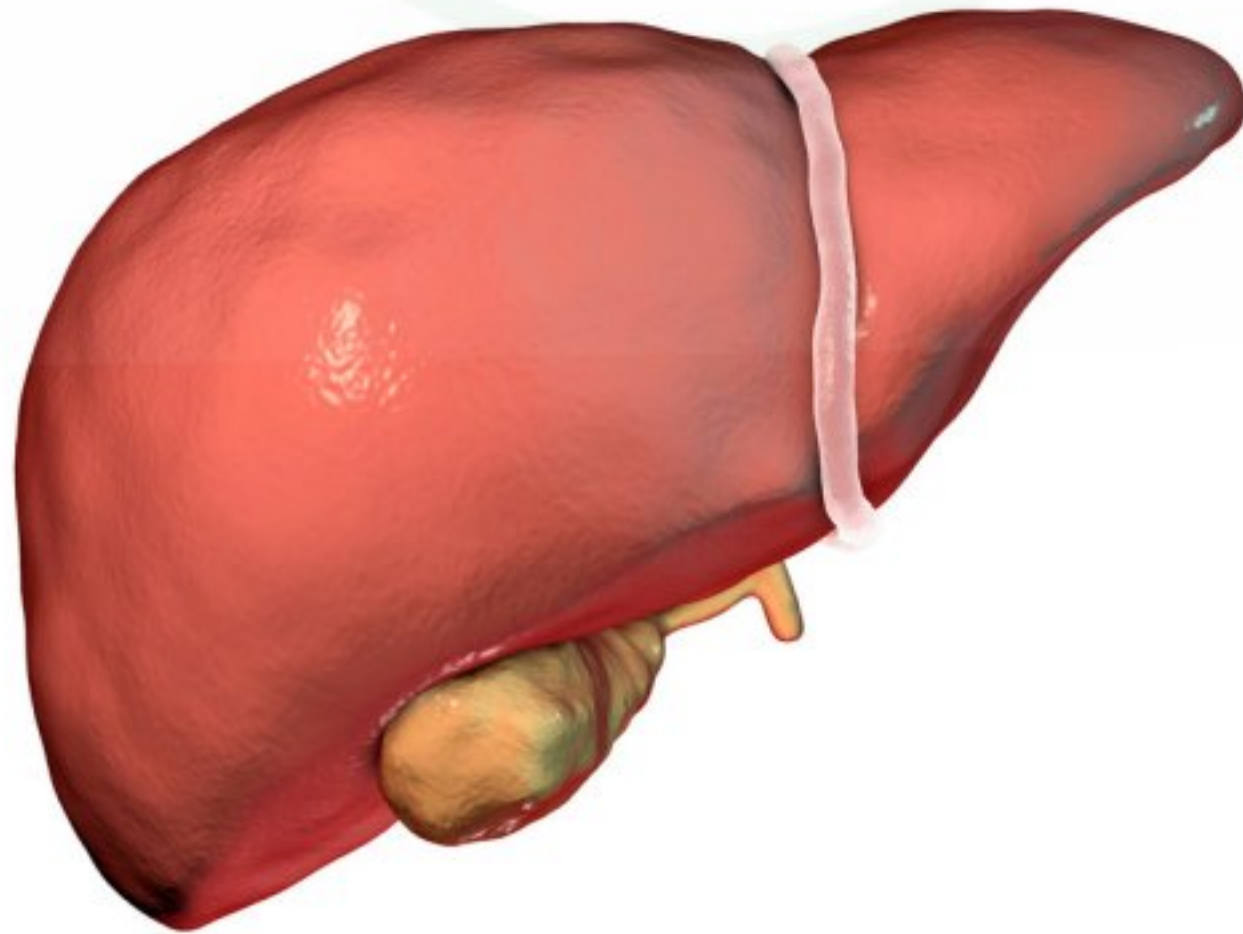


हमारे पेट के दाहिनी तरफ मौजूद लिवर हमारी शरीर का बहुत जरूरी अंग है। खाना पचाने से लेकर पित्त बनाने जैसे जरूरी कामों को ये हमारे शरीर के अंदर करता है। इसे जिगर या यकृत जैसे और नामों से भी जाना जाता है। एक मिनट में लगभग **1.5** लीटर खून हमारे लिवर से होकर गुजरता है। विज्ञान के हिसाब से अगर शरीर के अंदर मौजूद लिवर काम करना बंद कर दे तो इंसान की मौत का खतरा सबसे अधिक होता है।

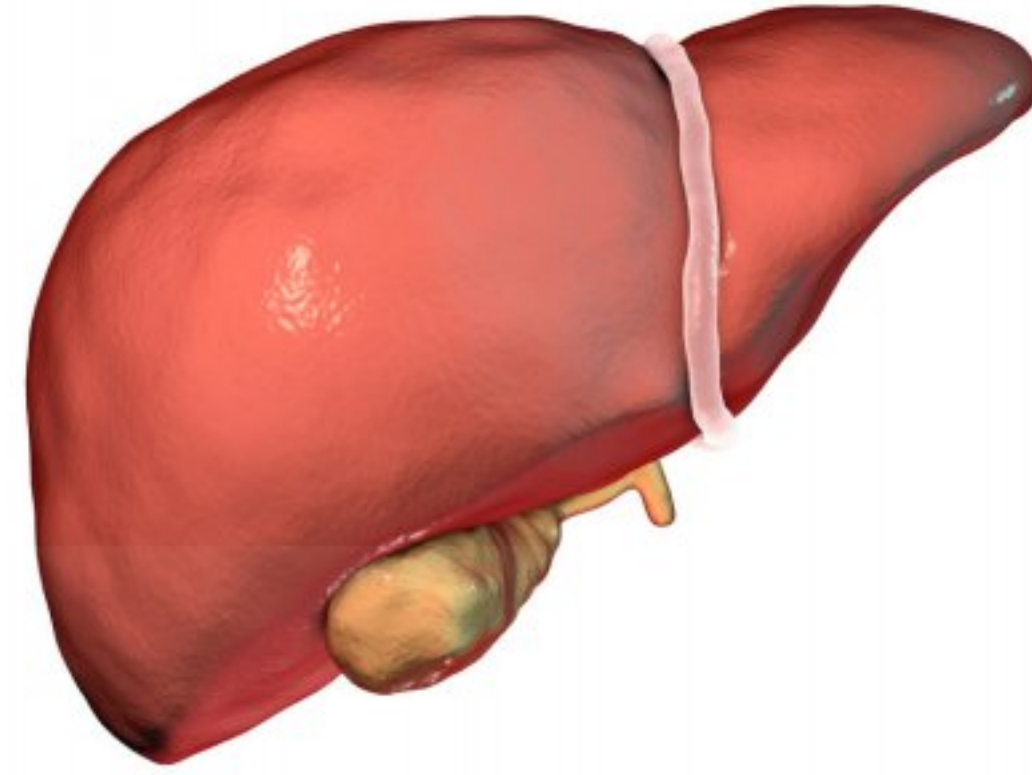


# लिवर ( Liver)

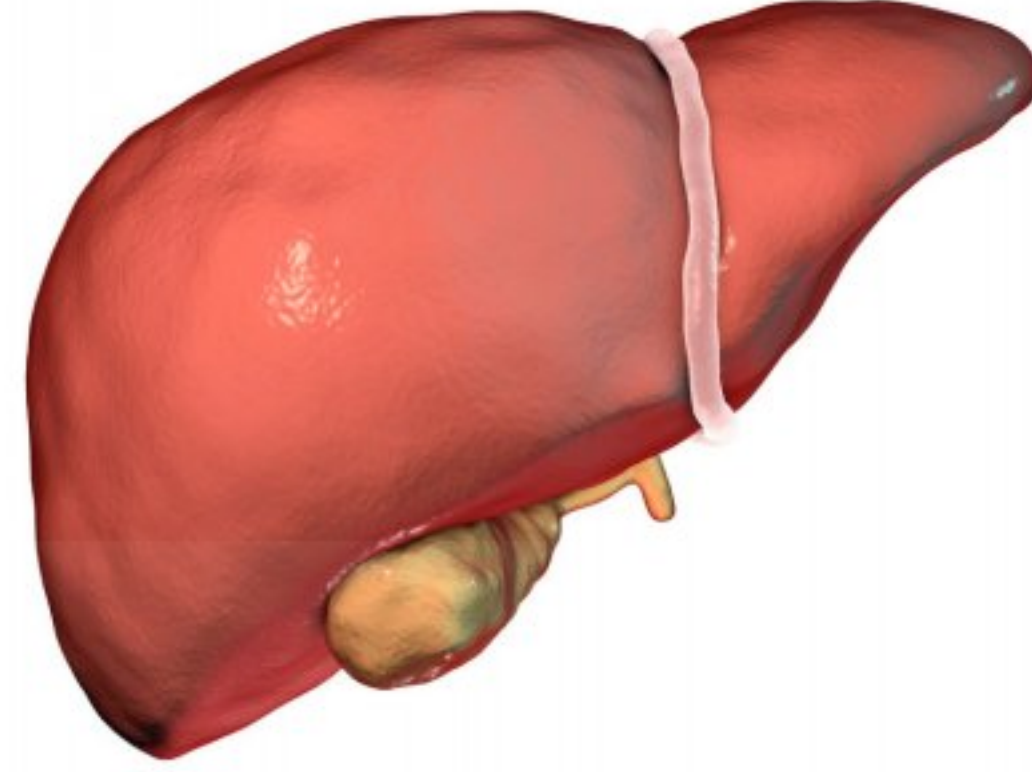
- जब भी हम खाना खाते हैं तो, खाना पहले आमाशय ( **Stomach**) में पहुँचता है फिर उसके बाद छोटी आंत में जाता है और छोटी आंत में वहां पे खाने के सूक्ष्म कण रक्त में मिलते हैं और इसके बाद रक्त सबसे पहले लिवर में ही जाता है
- लिवर फिर ये सुनिश्चित करता है कि इसको आगे शरीर में पहुँचाना है कि नहीं
- अगर वो कण हमारे शरीर के लिए हानिकारक है तो लिवर उसे शरीर के बाहर निकाल देता है और अगर फायदेमंद है तो उसे आगे रक्त के माध्यम से पहुंचा देता है



- लिवर के कार्य



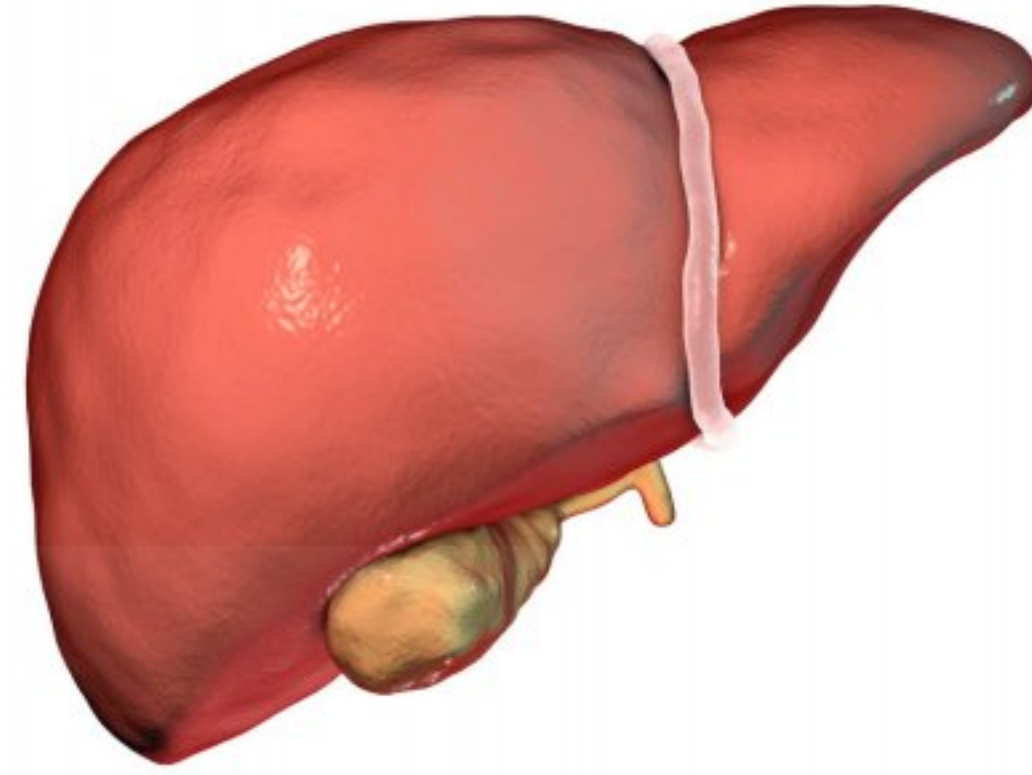
- **लिवर के कार्य**



- **भोजन पचाने में सहायता करना :** जब भी हम कुछ खाते हैं तो लिवर के द्वारा ही पित्त रिलीज किया जाता है जिससे हमारा भोजन पचता है। इसमें मौजूद पित्त हमारे खाने को छोटे छोटे टुकड़ों में बाँट देता है और इससे खाना आसानी से पचने लग जाता है।



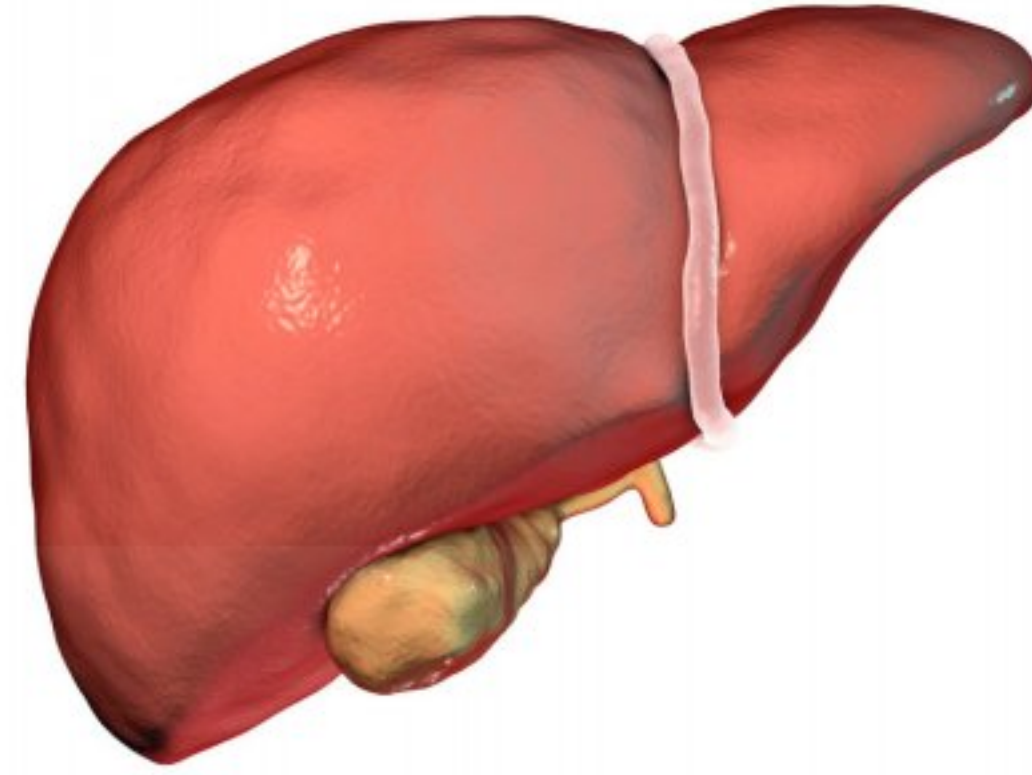
## • लिवर के कार्य



- **भोजन पचाने में सहायता करना :** जब भी हम कुछ खाते हैं तो लिवर के द्वारा ही पित्त रिलीज किया जाता है जिससे हमारा भोजन पचता है। इसमें मौजूद पित्त हमारे खाने को छोटे छोटे टुकड़ों में बाँट देता है और इससे खाना आसानी से पचने लग जाता है।
- **शरीर का विषहरण करना :** लिवर का दूसरा मुख्य काम है हमारे शरीर में मौजूद सभी तरीके के विषों का हरण करना है। हमारे शरीर में मौजूद जितने भी हानिकारक विषाक्त पदार्थ होते हैं उन्हें बाहर निकालने का काम लिवर के द्वारा किया जाता है।

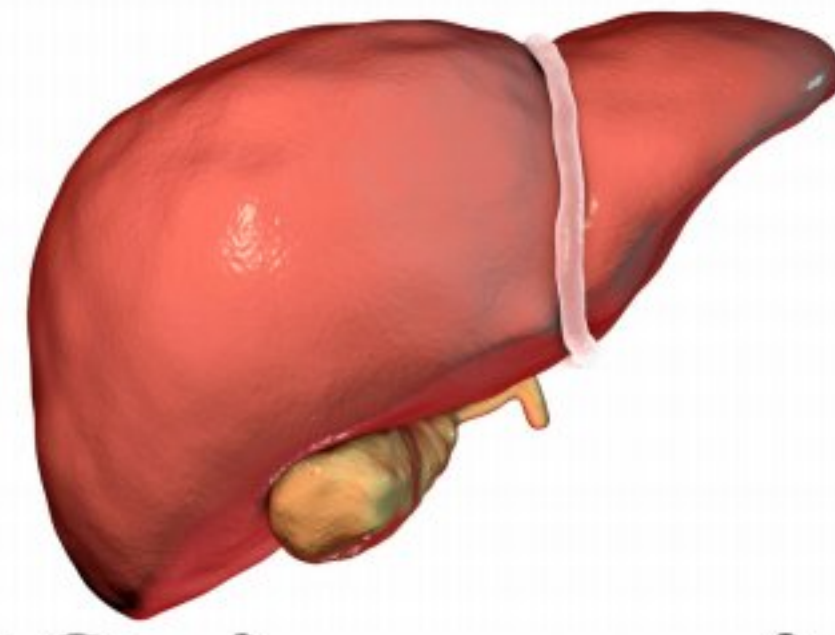


## • लिवर के कार्य



- **भोजन पचाने में सहायता करना :** जब भी हम कुछ खाते हैं तो लिवर के द्वारा ही पित्त रिलीज किया जाता है जिससे हमारा भोजन पचता है। इसमें मौजूद पित्त हमारे खाने को छोटे छोटे टुकड़ों में बाँट देता है और इससे खाना आसानी से पचने लग जाता है।
- **शरीर का विषहरण करना :** लिवर का दूसरा मुख्य काम है हमारे शरीर में मौजूद सभी तरीके के विषों का हरण करना है। हमारे शरीर में मौजूद जितने भी हानिकारक विषाक्त पदार्थ होते हैं उन्हें बाहर निकालने का काम लिवर के द्वारा किया जाता है।
- **खून में मौजूद कोई भी खराब सेल या फिर कोई ऐसी चीज जिसकी शरीर को जरूरत नहीं है उसे छानकर लिवर अलग कर देता है। कुल मिलाकर शरीर को शुद्ध और साफ़ रखने का काम लिवर के द्वारा किया जाता है।**

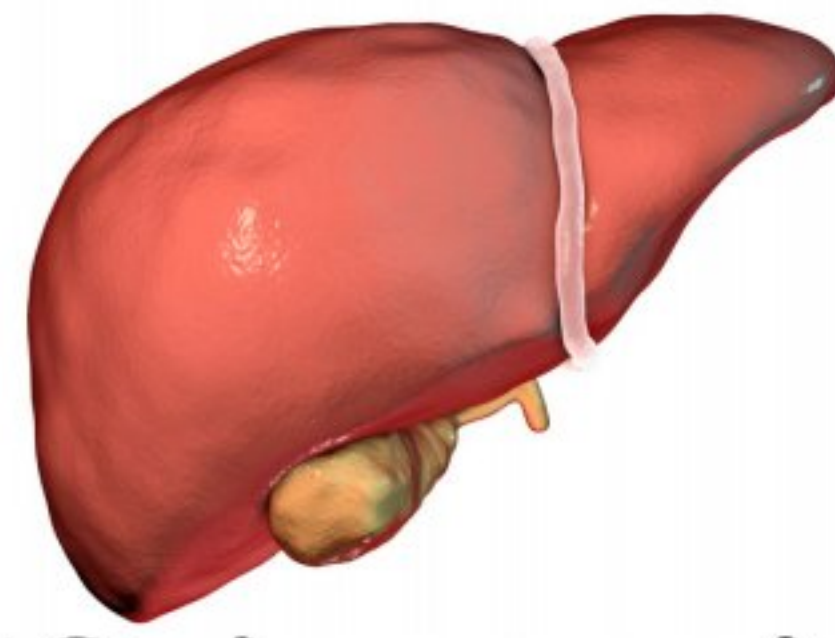
## • लिवर के कुछ और महत्वपूर्ण कार्य



- **ऊर्जा को स्टोर करना :** जब भी हम कोई ऐसा खाना कहते हैं जिसमें शुगर या ग्लूकोज़ होता है तो वो इन्सुलिन हॉर्मोन कि वजह से ग्लाइकोजन में बदल जाता है , और वो ग्लाइकोजन लिवर में स्टोर हो जाता है । फिर जब आप लंबे समय तक भोजन नहीं करते हैं और आपके शरीर को बाहरी ऊर्जा नहीं मिलती है तो ये ग्लाइकोजन ही ग्लूकोज़ में टूटता है और और ग्लूकोज़ से आपको ऊर्जा मिलती है।

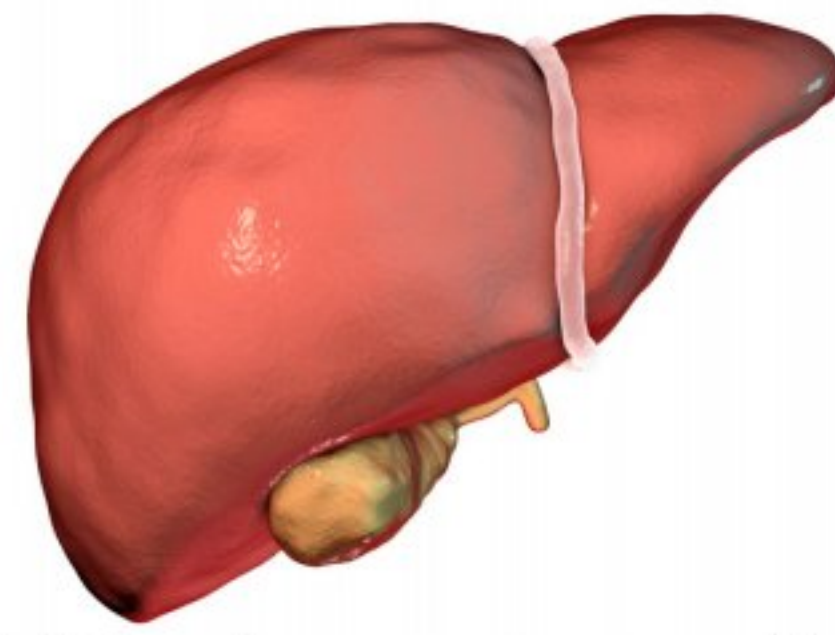


## • लिवर के कुछ और महत्वपूर्ण कार्य



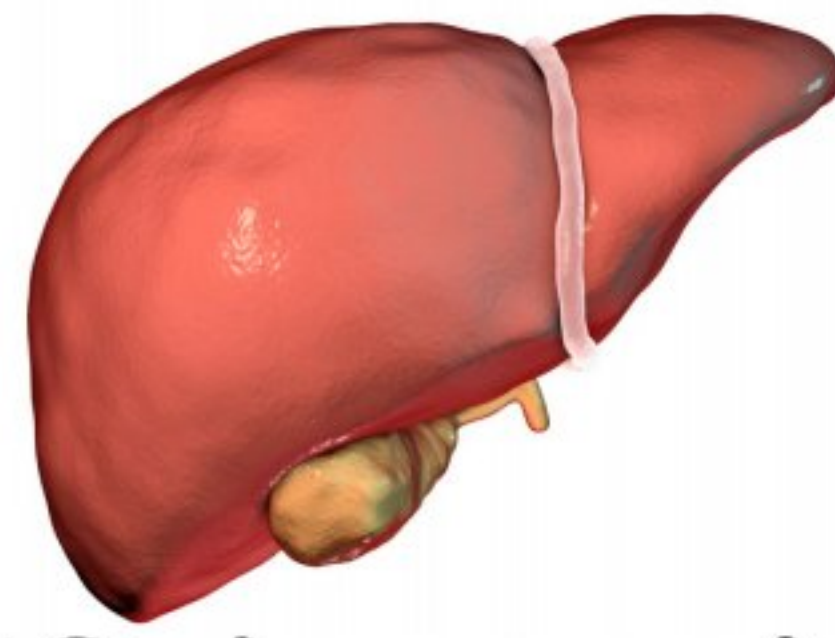
- **ऊर्जा को स्टोर करना :** जब भी हम कोई ऐसा खाना कहते हैं जिसमें शुगर या ग्लूकोज़ होता है तो वो इन्सुलिन हॉर्मोन कि वजह से ग्लाइकोजन में बदल जाता है , और वो ग्लाइकोजन लिवर में स्टोर हो जाता है । फिर जब आप लंबे समय तक भोजन नहीं करते हैं और आपके शरीर को बाहरी ऊर्जा नहीं मिलती है तो ये ग्लाइकोजन ही ग्लूकोज़ में टूटता है और और ग्लूकोज़ से आपको ऊर्जा मिलती है।
- **हार्मोन को नियंत्रित करना :** शरीर में एस्ट्रोजन और थायराक्सिन हार्मोन को नियंत्रित करना लिवर का ही काम होता है । एस्ट्रोजन एक सेक्स हार्मोन है जो महिलाओं के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है और थायराक्सिन हार्मोन वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है।

## • लिवर के कुछ और महत्वपूर्ण कार्य



- **ऊर्जा को स्टोर करना :** जब भी हम कोई ऐसा खाना कहते हैं जिसमें शुगर या ग्लूकोज़ होता है तो वो इन्सुलिन हॉर्मोन कि वजह से ग्लाइकोजन में बदल जाता है , और वो ग्लाइकोजन लिवर में स्टोर हो जाता है । फिर जब आप लंबे समय तक भोजन नहीं करते हैं और आपके शरीर को बाहरी ऊर्जा नहीं मिलती है तो ये ग्लाइकोजन ही ग्लूकोज़ में टूटता है और और ग्लूकोज़ से आपको ऊर्जा मिलती है।
- **हार्मोन को नियंत्रित करना :** शरीर में एस्ट्रोजन और थायराक्सिन हार्मोन को नियंत्रित करना लिवर का ही काम होता है । एस्ट्रोजन एक सेक्स हार्मोन है जो महिलाओं के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है और थायराक्सिन हार्मोन वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है।
- **प्रतिजैविक और अलकोहल में :** जब कोई भी एंटीबायोटिक या फिर एल्कोहल अधिक मात्रा में ले लेते हैं तो उसे संतुलित करने का काम भी लिवर के द्वारा ही किया जाता है।

## • लिवर के कुछ और महत्वपूर्ण कार्य



- **ऊर्जा को स्टोर करना :** जब भी हम कोई ऐसा खाना कहते हैं जिसमें शुगर या ग्लूकोज़ होता है तो वो इन्सुलिन हॉर्मोन कि वजह से ग्लाइकोजन में बदल जाता है , और वो ग्लाइकोजन लिवर में स्टोर हो जाता है । फिर जब आप लंबे समय तक भोजन नहीं करते हैं और आपके शरीर को बाहरी ऊर्जा नहीं मिलती है तो ये ग्लाइकोजन ही ग्लूकोज़ में टूटता है और और ग्लूकोज़ से आपको ऊर्जा मिलती है।
- **हार्मोन को नियंत्रित करना :** शरीर में एस्ट्रोजन और थायराक्सिन हार्मोन को नियंत्रित करना लिवर का ही काम होता है । एस्ट्रोजन एक सेक्स हार्मोन है जो महिलाओं के यौन और प्रजनन स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है और थायराक्सिन हार्मोन वसा, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है।
- **प्रतिजैविक और अलकोहल में :** जब कोई भी एंटीबायोटिक या फिर एल्कोहल अधिक मात्रा में ले लेते हैं तो उसे संतुलित करने का काम भी लिवर के द्वारा ही किया जाता है।
- **प्रोटीन का अवशोषण करना :** हमारे शरीर में प्रोटीन को टुकड़ों को तोड़कर उसे शरीर के लिए उपयोगी बनाने का काम लिवर ही करता है। जैसे खाने के माध्यम से प्रोटीन लिवर में आता है तो ये उसे टुकड़ों में तोड़ता है और फिर उसे अवशोषित करके बॉडी के लिए उसे उपयोगी बनाता है।

# लिवर खराब होने के लक्षण



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना





# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना



Ray of Hope

# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना



Ray of Hope

# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना
- बड़े आसानी से चोट लगना और खून बहना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना
- बड़े आसानी से चोट लगना और खून बहना
- पैरों या एड़ियों में सूजन आ जाना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना
- बड़े आसानी से चोट लगना और खून बहना
- पैरों या एड़ियों में सूजन आ जाना
- पेट फूला हुआ महसूस होना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना
- बड़े आसानी से चोट लगना और खून बहना
- पैरों या एड़ियों में सूजन आ जाना
- पेट फूला हुआ महसूस होना
- पेट में दर्द होना



# लिवर खराब होने के लक्षण



- भूख न लगना
- अचानक वजन घटना
- हमेशा थकान सा महसूस होना
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- पेट, पीठ, हाथ और पैर की त्वचा में खुजली होना
- बड़े आसानी से चोट लगना और खून बहना
- पैरों या एड़ियों में सूजन आ जाना
- पेट फूला हुआ महसूस होना
- पेट में दर्द होना
- पेशाब का रंग गहरा होना





# आमाशय (Stomach)



अमाशय ,अंग्रेजी वर्णमाला के **J** अक्षर के आकार वाला अंग होता है जो पेट की बाईं तरफ होता है , भोजन अमाशय में करीब तीन घंटों तक पीसा जाता है , इस दौरान भोजन और भी छोटे टुकड़ों में टूटता है और एक अर्ध-ठोस पेस्ट बनता है , अमाशय की दीवारों में उपस्थित ग्रंथियां , अमाशय रस (**gastric juice**) का पैदा करती हैं और इसमें तीन पदार्थ होते हैं : **हाइड्रोक्लोरिक एसिड, पेपसीन एंजाइम और म्युकस** , हाइड्रोक्लोरिक एसिड की उपस्थिति के कारण भोजन अम्लीय ( **acidic** ) प्रकृति का होता है और पेप्सीन एंजाइम बहुत छोटे कणों को बनाने के लिए भोजन में मौजूद प्रोटीन का पाचन शुरू कर देता है , इसलिए, प्रोटीन का पाचन अमाशय में शुरू होता है

- अमाशय के कार्य



## • अमाशय के कार्य



- जब आपका पेट खाली हो जाता है , तो यह आंतों में बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए सिकुड़ने लगता है। अमाशय और आंत की कोशिकाएं **ग्रेलिन** नामक हॉर्मोन का उत्पादन करती हैं, एक हार्मोन जो भूख की भावनाओं को ट्रिगर करता है। लेकिन अगर ये हॉर्मोन ज्यादा बने तो मोटापा होने की ज्यादा संभावना होती है

RAYHOPE GLOBAL

Ray of Hope

## • अमाशय के कार्य



- जब आपका पेट खाली हो जाता है , तो यह आंतों में बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए सिकुड़ने लगता है। अमाशय और आंत की कोशिकाएं **ग्रेलिन** नामक हॉर्मोन का उत्पादन करती हैं, एक हार्मोन जो भूख की भावनाओं को ट्रिगर करता है। लेकिन अगर ये हॉर्मोन ज्यादा बने तो मोटापा होने की ज्यादा संभावना होती है
- जब भोजन को मुँह से चबाकर निगला जाता है , तो यह भोजन नली से होता हुआ सीधा अमाशय यानी **Stomach** में चला जाता है। जब भोजन अमाशय में पहुँचता है तो अमाशय में मौजूद ग्रंथिया भोजन का विश्लेषण करके आवश्यकता के अनुसार पाचक रस (**acid**) का छिड़काव तेजी से शुरू कर देती हैं।

## • अमाशय के कार्य



- जब आपका पेट खाली हो जाता है , तो यह आंतों में बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए सिकुड़ने लगता है। अमाशय और आंत की कोशिकाएं **ग्रेलिन** नामक हॉर्मोन का उत्पादन करती हैं, एक हार्मोन जो भूख की भावनाओं को ट्रिगर करता है। लेकिन अगर ये हॉर्मोन ज्यादा बने तो मोटापा होने की ज्यादा संभावना होती है
- जब भोजन को मुँह से चबाकर निगला जाता है , तो यह भोजन नली से होता हुआ सीधा अमाशय यानी **Stomach** में चला जाता है। जब भोजन अमाशय में पहुँचता है तो अमाशय में मौजूद ग्रंथिया भोजन का विश्लेषण करके आवश्यकता के अनुसार पाचक रस (**acid**) का छिड़काव तेजी से शुरू कर देती हैं।
- पेट का यह रस कुछ बीमारी पैदा करने वाले जीवाणुओं को नष्ट करने की भी क्षमता रखता है। इस पाचक रस में मुख्य रूप से **हाइड्रोक्लोरिक एसिड** तथा **पेप्सिन** नामक **एंजाइम** होते हैं। प्रोटीन को पचाने के लिए पेप्सिन आवश्यक होता है।

## • अमाशय के कार्य



- जब आपका पेट खाली हो जाता है , तो यह आंतों में बचे हुए भोजन को बाहर निकालने के लिए सिकुड़ने लगता है। अमाशय और आंत की कोशिकाएं **ग्रेलिन** नामक हॉर्मोन का उत्पादन करती हैं, एक हार्मोन जो भूख की भावनाओं को ट्रिगर करता है। लेकिन अगर ये हॉर्मोन ज्यादा बने तो मोटापा होने की ज्यादा संभावना होती है
- जब भोजन को मुँह से चबाकर निगला जाता है , तो यह भोजन नली से होता हुआ सीधा अमाशय यानी **Stomach** में चला जाता है। जब भोजन अमाशय में पहुँचता है तो अमाशय में मौजूद ग्रंथिया भोजन का विश्लेषण करके आवश्यकता के अनुसार पाचक रस (**acid**) का छिड़काव तेजी से शुरू कर देती हैं।
- पेट का यह रस कुछ बीमारी पैदा करने वाले जीवाणुओं को नष्ट करने की भी क्षमता रखता है। इस पाचक रस में मुख्य रूप से **हाइड्रोक्लोरिक एसिड तथा पेप्सिन नामक एंजाइम** होते हैं। प्रोटीन को पचाने के लिए पेप्सिन आवश्यक होता है।
- इस रस में मौजूद एमाइलेज नामक एंजाइम कार्बोहाइड्रेट को पचाता है तथा लाइपेज नामक एंजाइम वसा यानि फैट को पचाता है। एक अन्य एंजाइम जो रेनिन कहलाता है पेट में दूध को फाड़ने का काम करता है।

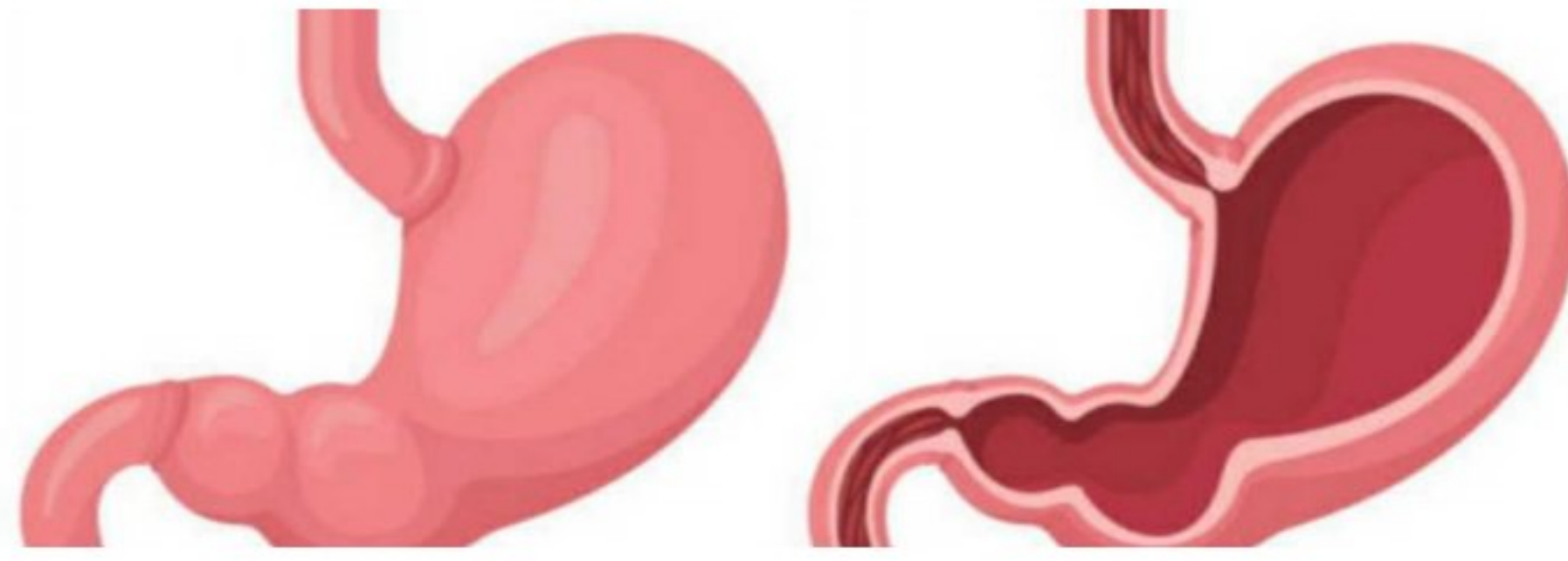
- अमाशय के कुछ और कार्य



- यदि भोजन करने के साथ पानी पीते हैं तो यह अम्ल (**acid**) तथा एंजाइम अपना काम सही तरीके से नहीं कर पाते और पाचन क्रिया धीमी हो जाती है इसलिए भोजन के साथ पानी नहीं पीना चाहिए।



## • अमाशय के कुछ और कार्य



- यदि भोजन करने के साथ पानी पीते हैं तो यह अम्ल (**acid**) तथा एंजाइम अपना काम सही तरीके से नहीं कर पाते और पाचन क्रिया धीमी हो जाती है इसलिए भोजन के साथ पानी नहीं पीना चाहिए।
- आमाशय की दीवारें संकुचन की मदद से भोजन को हिला डुला कर मथ देती हैं और एसिड को उसमें अच्छी तरह मिला देती हैं। भोजन में एसिड के अच्छी तरह मिल जाने पर यह नर्म और अवशोषण के लायक हो जाता है जिसे काइम **Chyme** कहते हैं।



## • अमाशय के कुछ और कार्य



- यदि भोजन करने के साथ पानी पीते हैं तो यह अम्ल (**acid**) तथा एंजाइम अपना काम सही तरीके से नहीं कर पाते और पाचन क्रिया धीमी हो जाती है इसलिए भोजन के साथ पानी नहीं पीना चाहिए।
- आमाशय की दीवारें संकुचन की मदद से भोजन को हिला डुला कर मथ देती हैं और एसिड को उसमें अच्छी तरह मिला देती हैं। भोजन में एसिड के अच्छी तरह मिल जाने पर यह नर्म और अवशोषण के लायक हो जाता है जिसे काइम **Chyme** कहते हैं।
- भोजन की मात्रा तथा गुणवत्ता के अनुसार पौन घंटे से तीन घंटे में आमाशय भोजन को काइम में परिवर्तित करके छोटी आंत में पहुंचा देता है।

## • अमाशय के कुछ और कार्य



- यदि भोजन करने के साथ पानी पीते हैं तो यह अम्ल (**acid**) तथा एंजाइम अपना काम सही तरीके से नहीं कर पाते और पाचन क्रिया धीमी हो जाती है इसलिए भोजन के साथ पानी नहीं पीना चाहिए।
- आमाशय की दीवारें संकुचन की मदद से भोजन को हिला डुला कर मथ देती हैं और एसिड को उसमें अच्छी तरह मिला देती हैं। भोजन में एसिड के अच्छी तरह मिल जाने पर यह नर्म और अवशोषण के लायक हो जाता है जिसे काइम **Chyme** कहते हैं।
- भोजन की मात्रा तथा गुणवत्ता के अनुसार पौन घंटे से तीन घंटे में आमाशय भोजन को काइम में परिवर्तित करके छोटी आंत में पहुंचा देता है।
- यदि खाना सुपाच्य है, तो यह दो से तीन घंटे में आमाशय से निकल जाता है और आमाशय खाली हो जाता है। यदि गरिष्ठ या देर से पचने वाला भोजन होता है तो इसमें अधिक समय लगता है। आमाशय खाली होने के बाद फिर से आमाशय के द्वारा ग्रेलिन नामक हॉर्मोन रक्त में छोड़ा जाता है जिससे की फिर से भूख लगती है

# अमाशय खराब होने के लक्षण



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



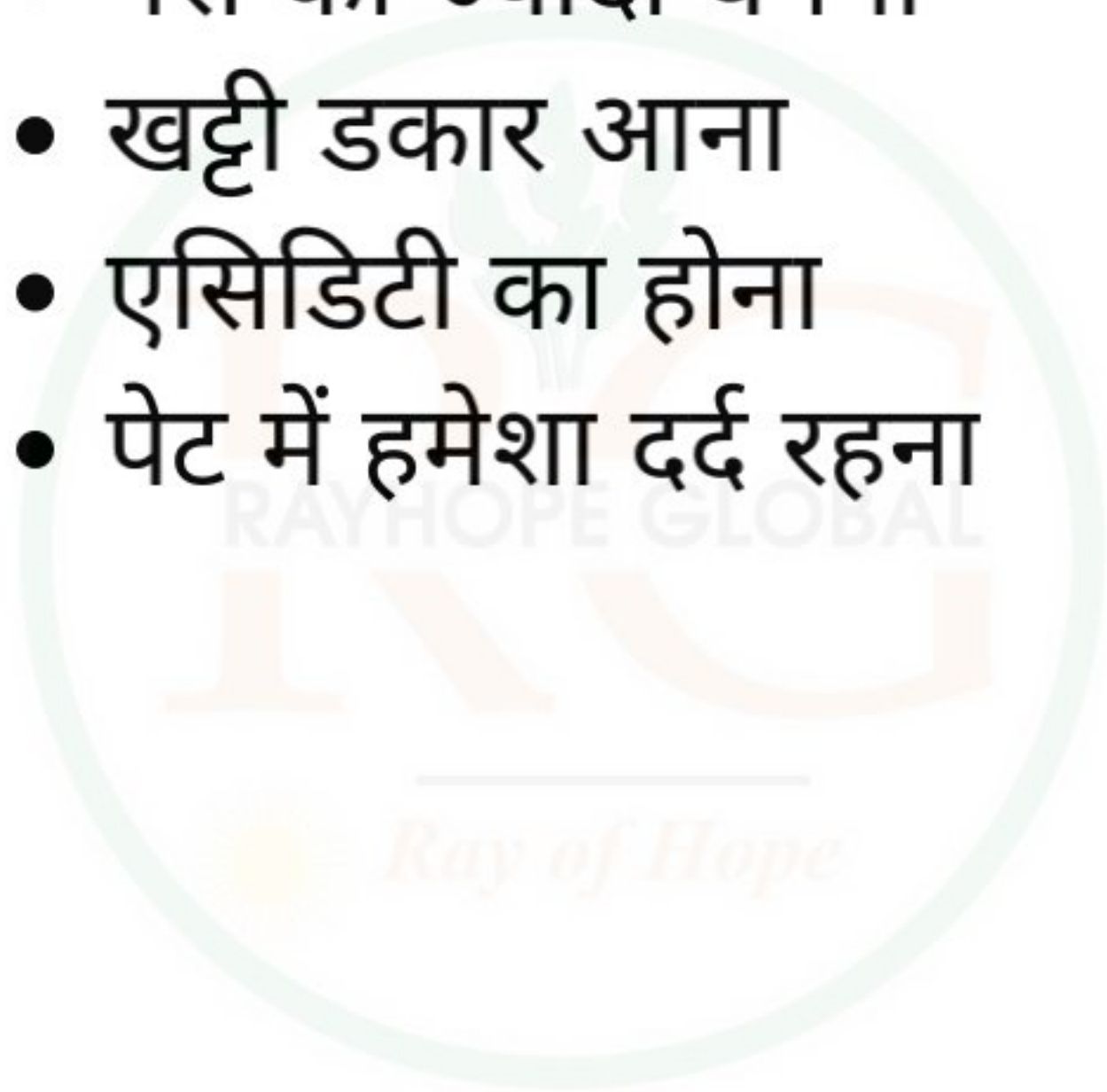
- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना



Ray of Hope



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना



Ray of Hope

# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना
- भूख न लगना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना
- भूख न लगना
- पेट साफ़ ना होना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना
- भूख न लगना
- पेट साफ़ ना होना
- लगातार अपच रहना, सीने में काफी जलन होना



# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना
- भूख न लगना
- पेट साफ़ ना होना
- लगातार अपच रहना, सीने में काफी जलन होना
- पेट में गांठ



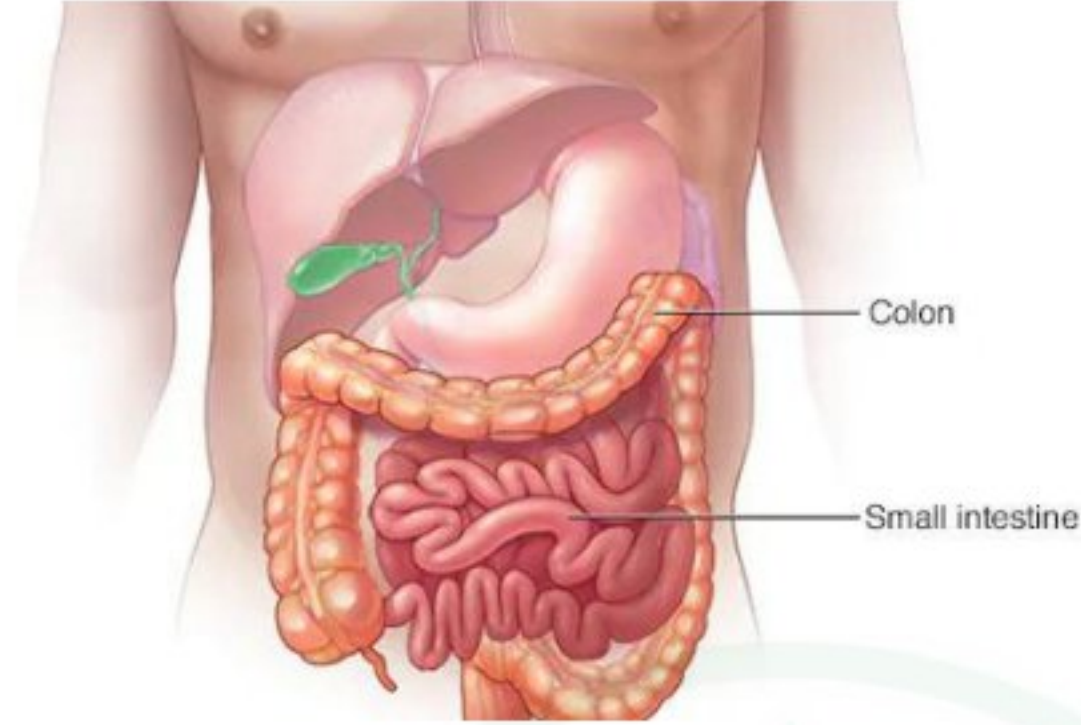
# अमाशय खराब होने के लक्षण



- गैस का ज्यादा बनना
- खट्टी डकार आना
- एसिडिटी का होना
- पेट में हमेशा दर्द रहना
- बार-बार उल्टी होना एवं जी मिचलाना
- अपने आप वजन घटना
- भूख न लगना
- पेट साफ़ ना होना
- लगातार अपच रहना, सीने में काफी जलन होना
- पेट में गांठ
- पेट में अलसर होना



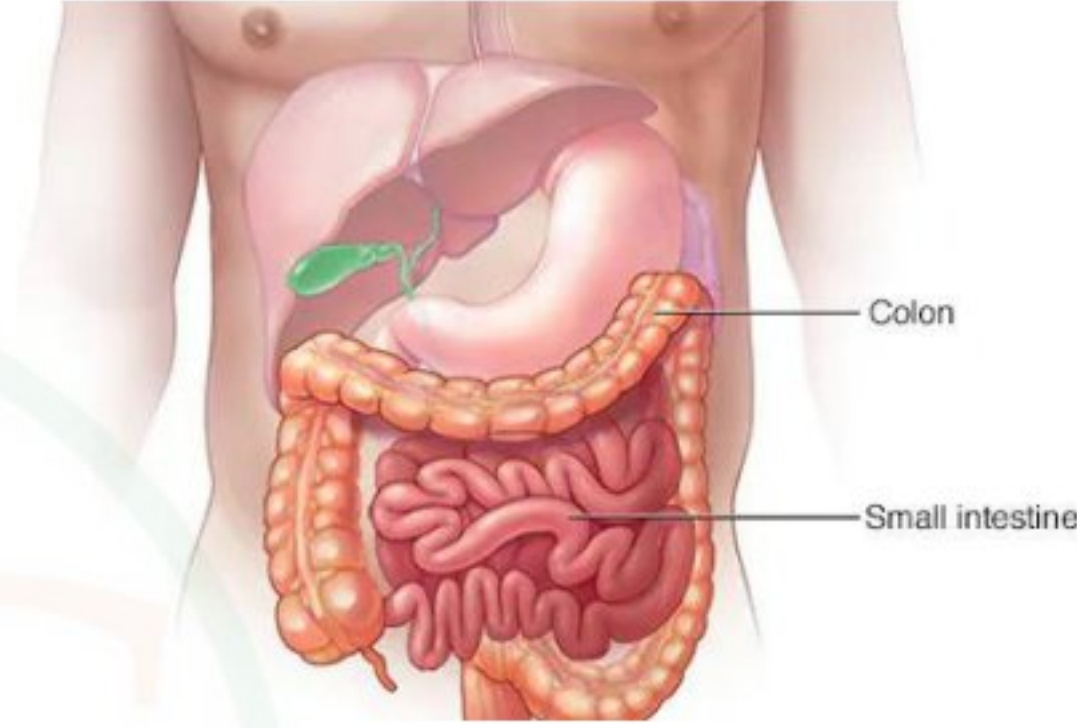
# छोटी आँत ( Small intestine )



छोटी आँत आपके पाचन तंत्र का हिस्सा है। यह उस लंबे रास्ते का हिस्सा बनता है जिसे भोजन आपके शरीर के माध्यम से ले जाता है, जिसे **गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (जीआई टी)** कहा जाता है। जब भोजन अमाशय से निकलता है, तो यह छोटी आँत में प्रवेश करता है, छोटी आँत बड़ी आँत से जुड़ी हुई रहती है। छोटी आँत भोजन को तोड़ने, उसके पोषक तत्वों को रक्त में मिलाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। छोटी आँत जीआई टी का सबसे लंबा हिस्सा है, जो लगभग **22** फीट लंबा है। और यह वह जगह है जहां आपके भोजन का अधिकांश पाचन होता है।

Ray of Hope

# छोटी आँत ( Small intestine )



छोटी आँत आपके पाचन तंत्र का हिस्सा है। यह उस लंबे रास्ते का हिस्सा बनता है जिसे भोजन आपके शरीर के माध्यम से ले जाता है, जिसे **गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (जीआई टी)** कहा जाता है। जब भोजन अमाशय से निकलता है, तो यह छोटी आँत में प्रवेश करता है, छोटी आँत बड़ी आँत से जुड़ी हुई रहती है। छोटी आँत भोजन को तोड़ने, उसके पोषक तत्वों को रक्त में मिलाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। छोटी आँत जीआई टी का सबसे लंबा हिस्सा है, जो लगभग **22** फीट लंबा है। और यह वह जगह है जहां आपके भोजन का अधिकांश पाचन होता है।

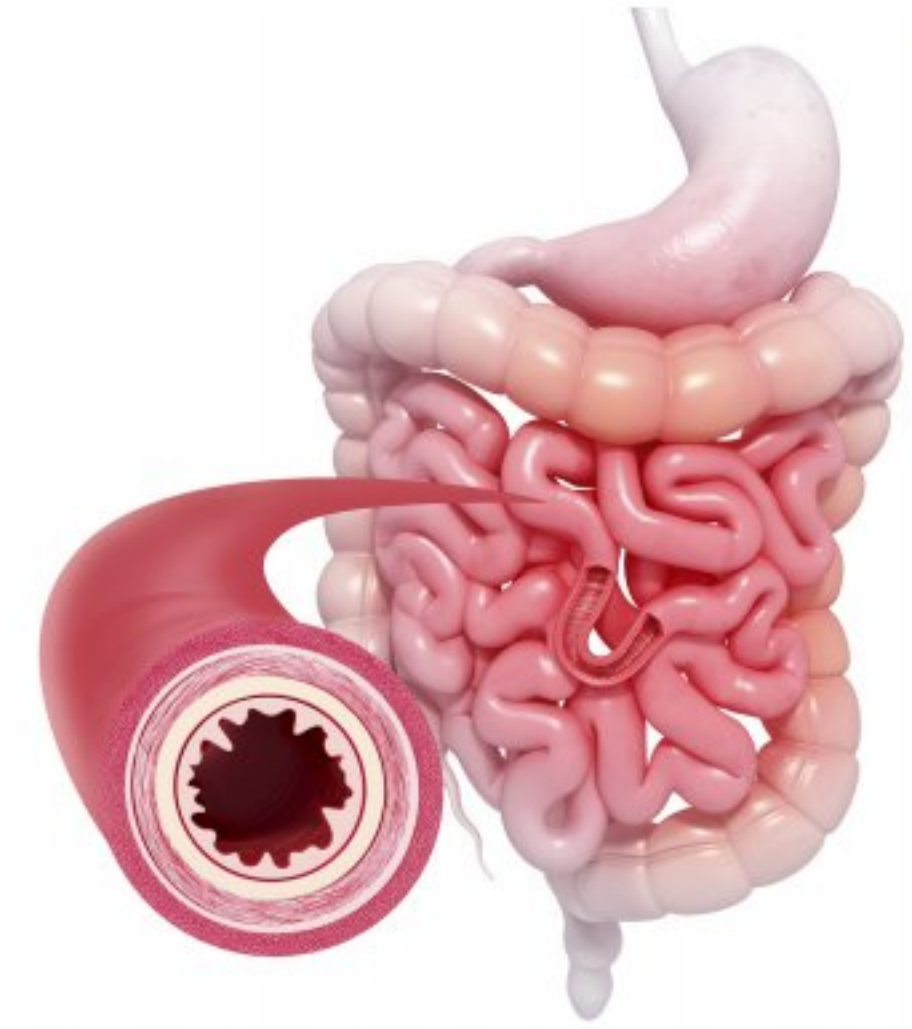
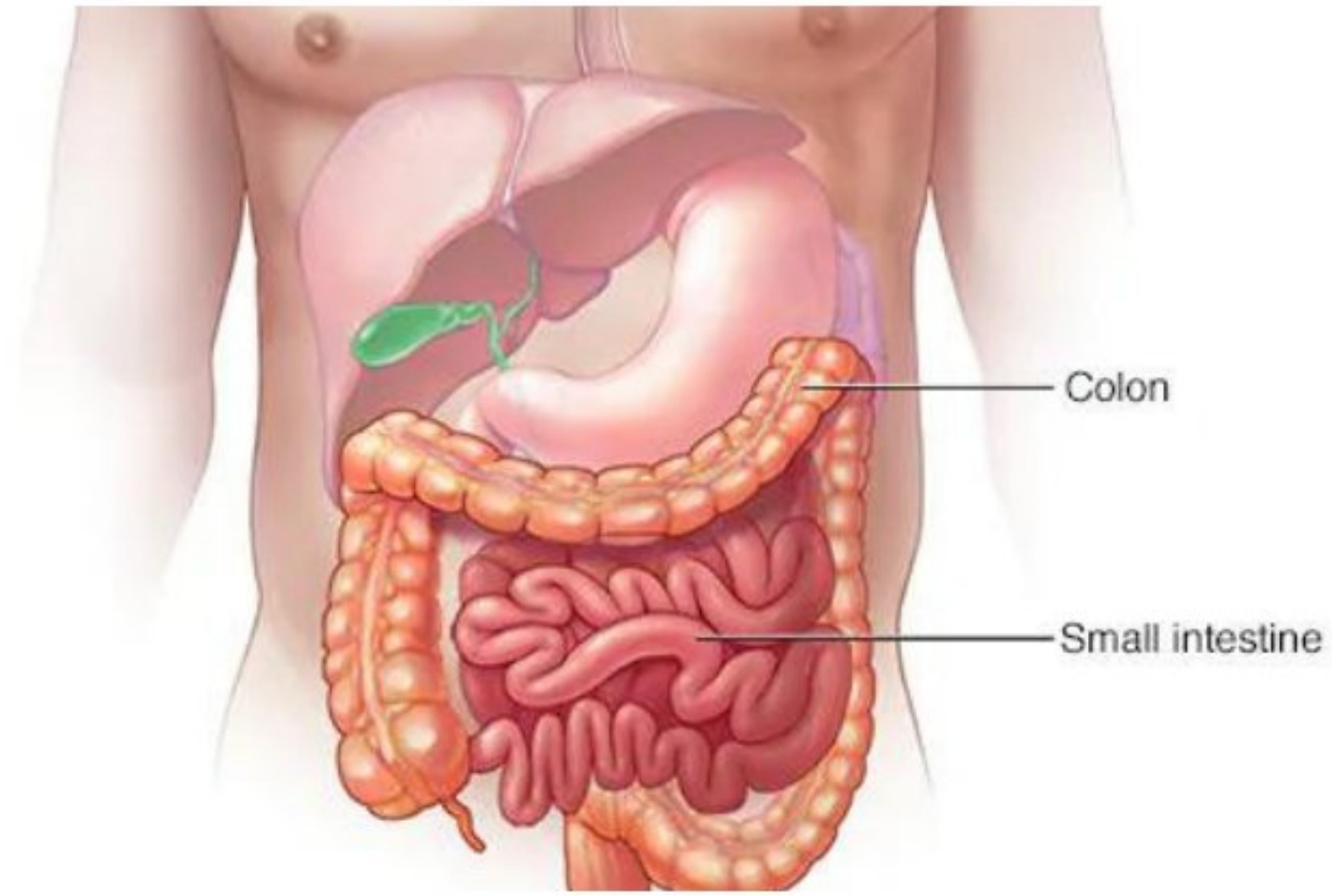
छोटी आँत के मुख्यतः तीन खंड होते हैं जो आपस में जुड़े हुए होते हैं ,

**ड्यूडनम , जेजुनम , इलियम**

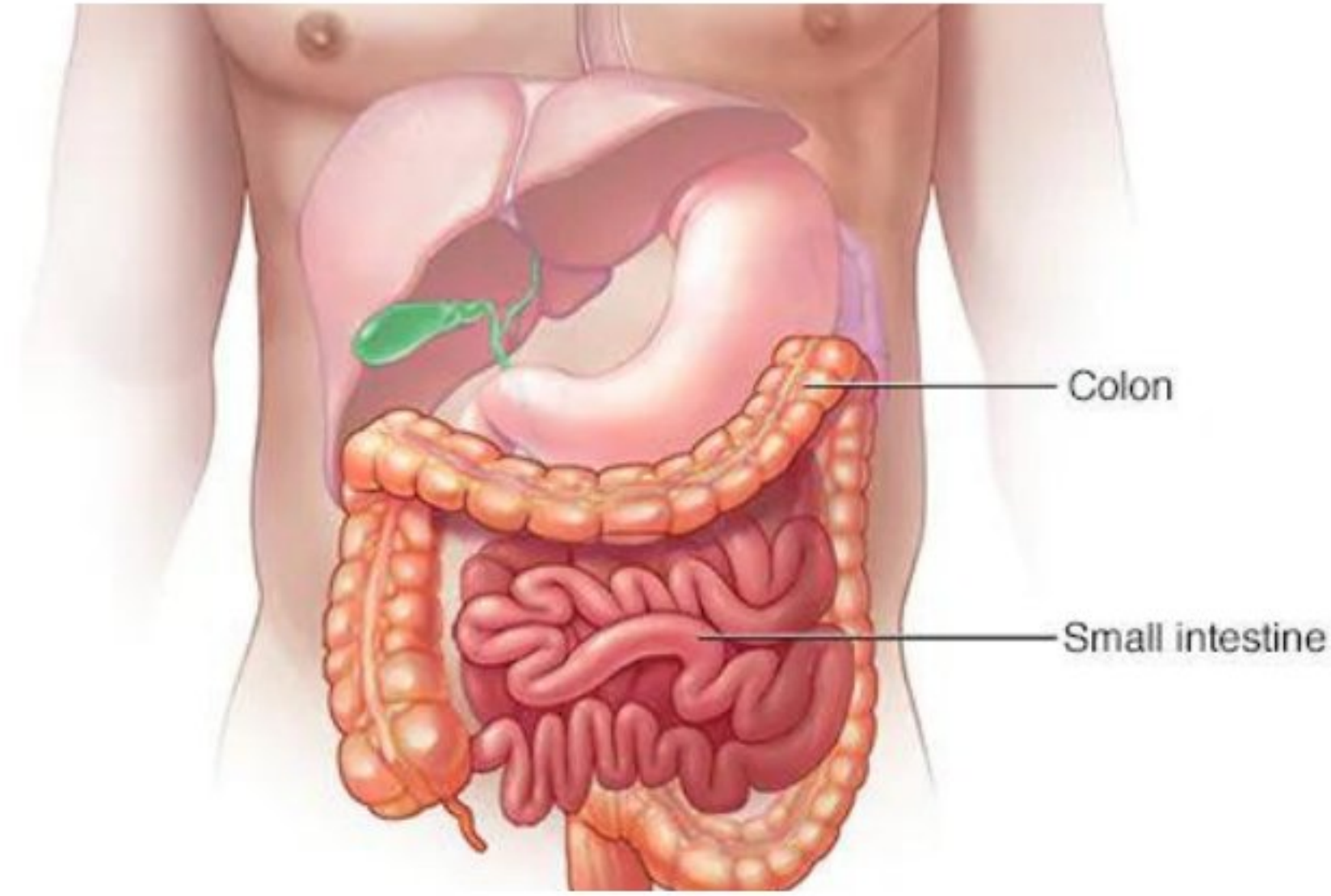
इन तीनों के काम ज्यादातर तो एक जैसा होता है लेकिन थोड़ी से भिन्नता भी होती है



# छोटी आंत के कार्य



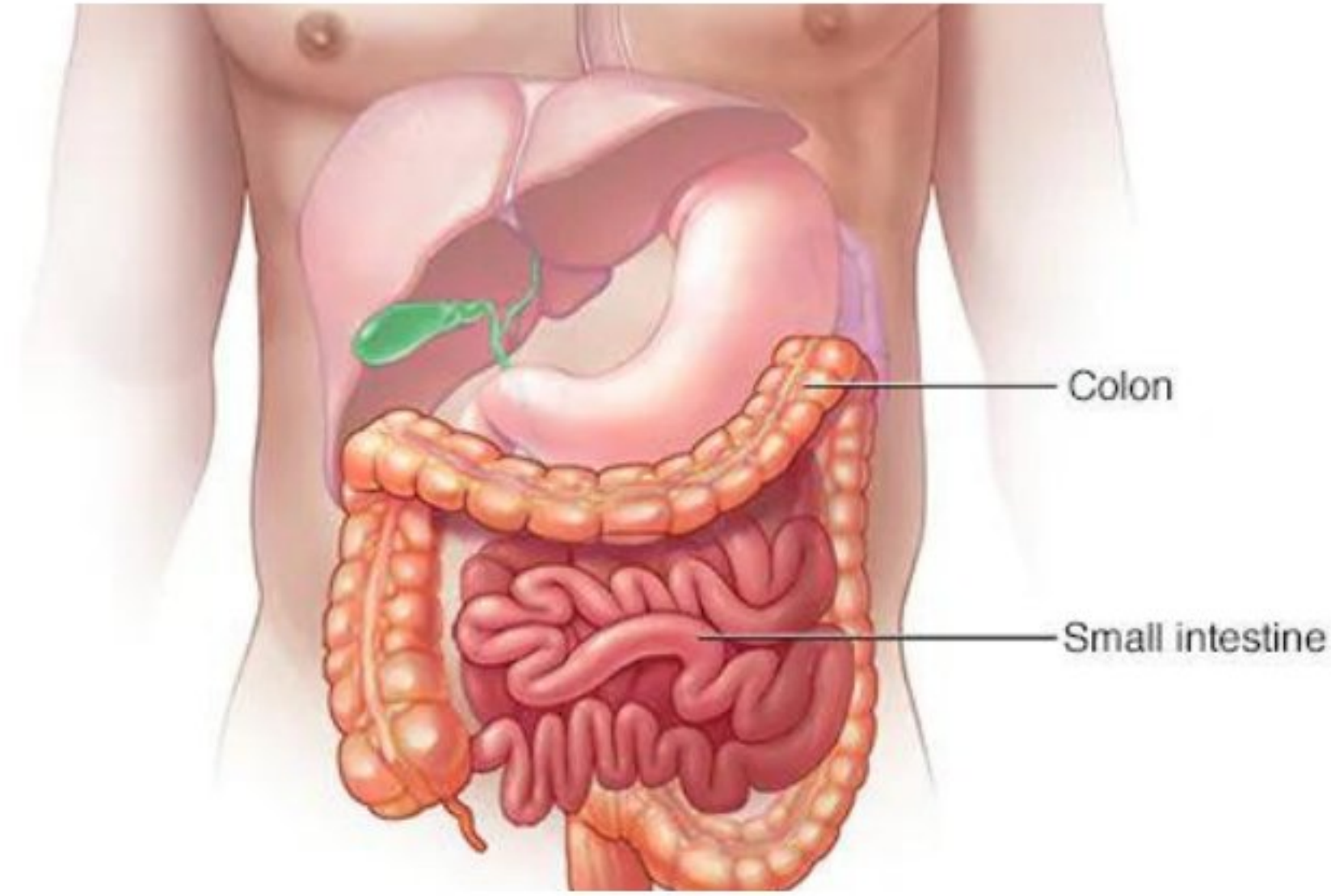
# छोटी आंत के कार्य



- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।

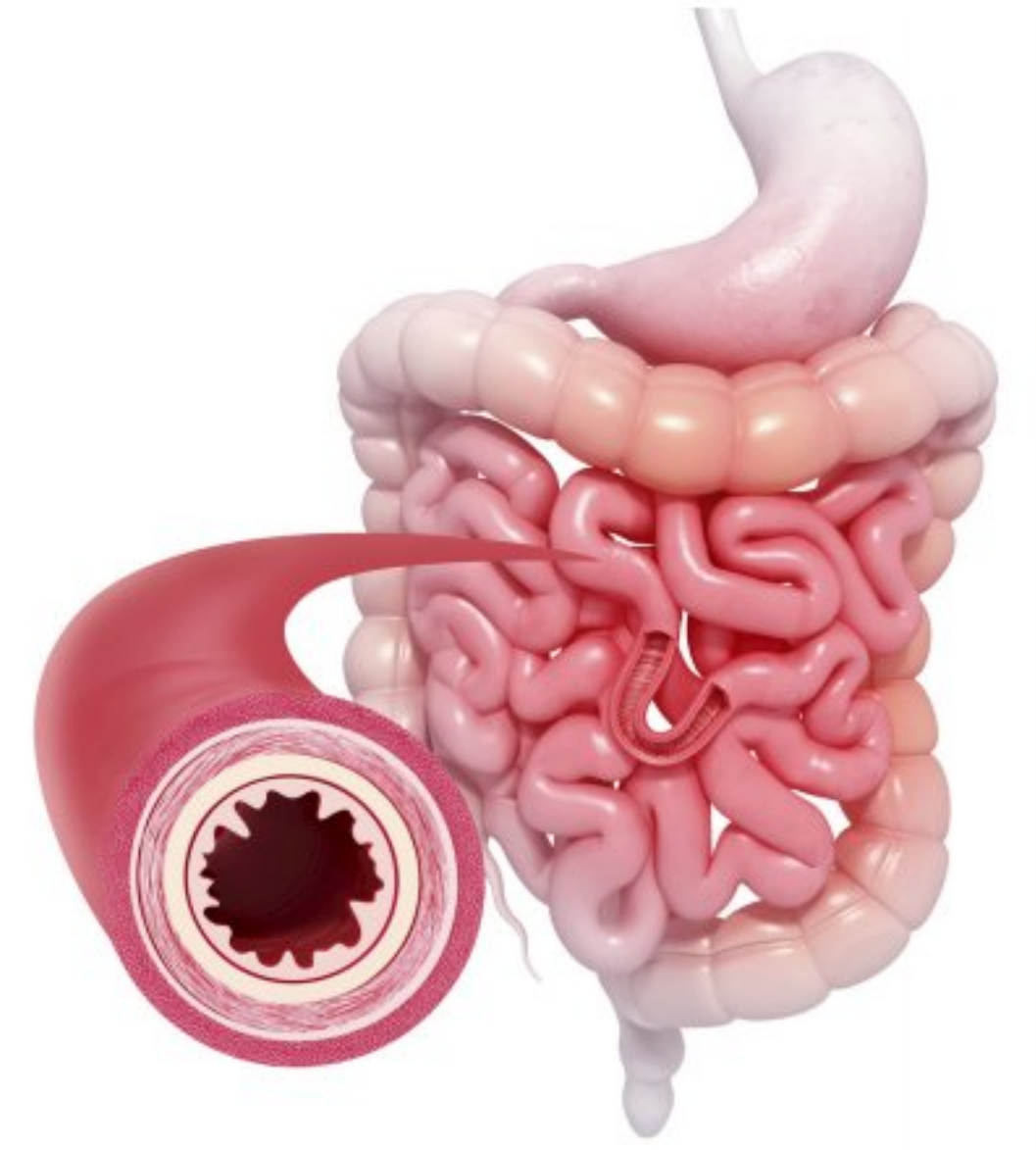
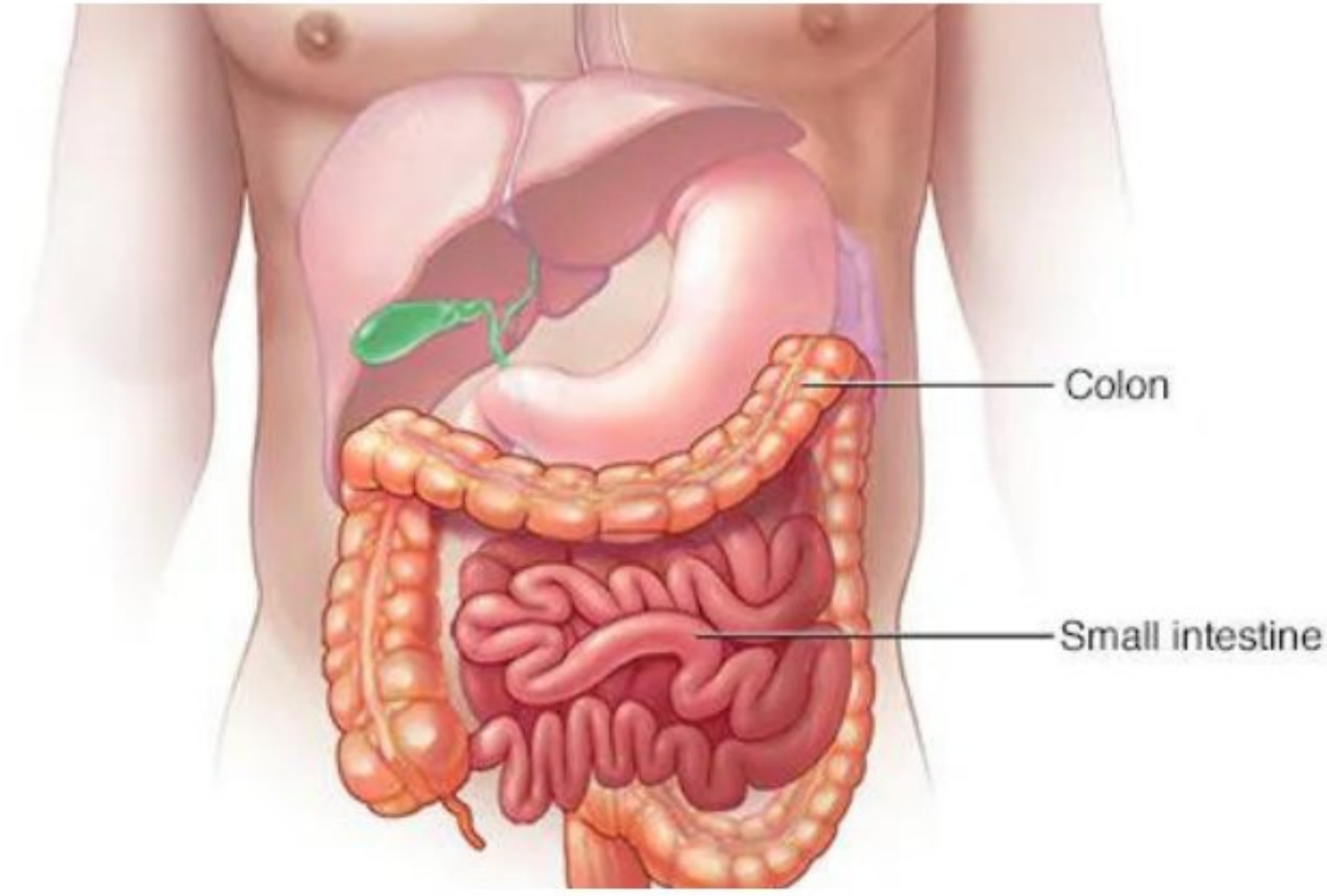


# छोटी आंत के कार्य



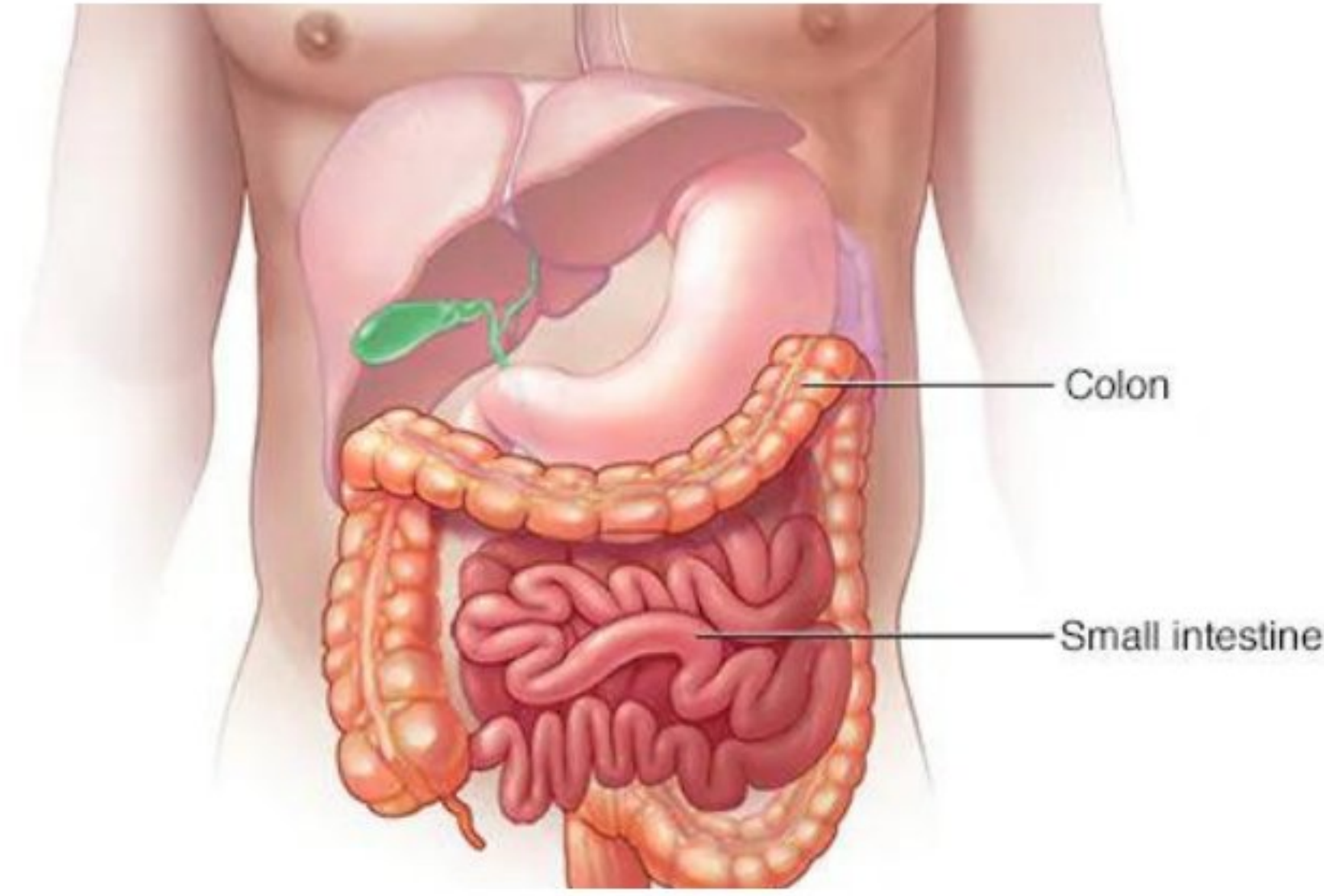
- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।
- भोजन को व्यवस्थित रूप से तोड़ता है।

# छोटी आंत के कार्य



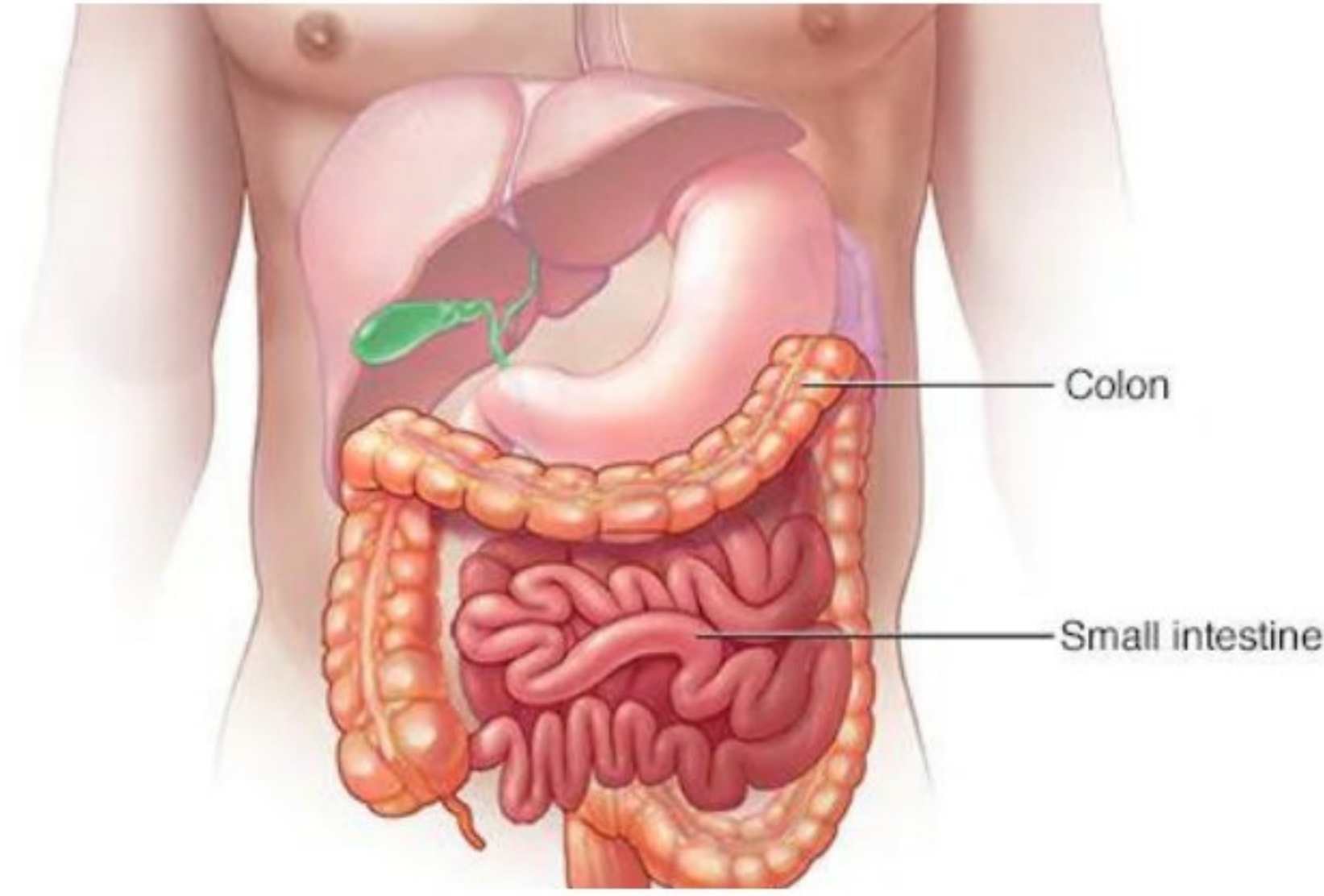
- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।
- भोजन को व्यवस्थित रूप से तोड़ता है।
- भोजन से पानी व तरल पदार्थ को अलग करता है ।

# छोटी आंत के कार्य



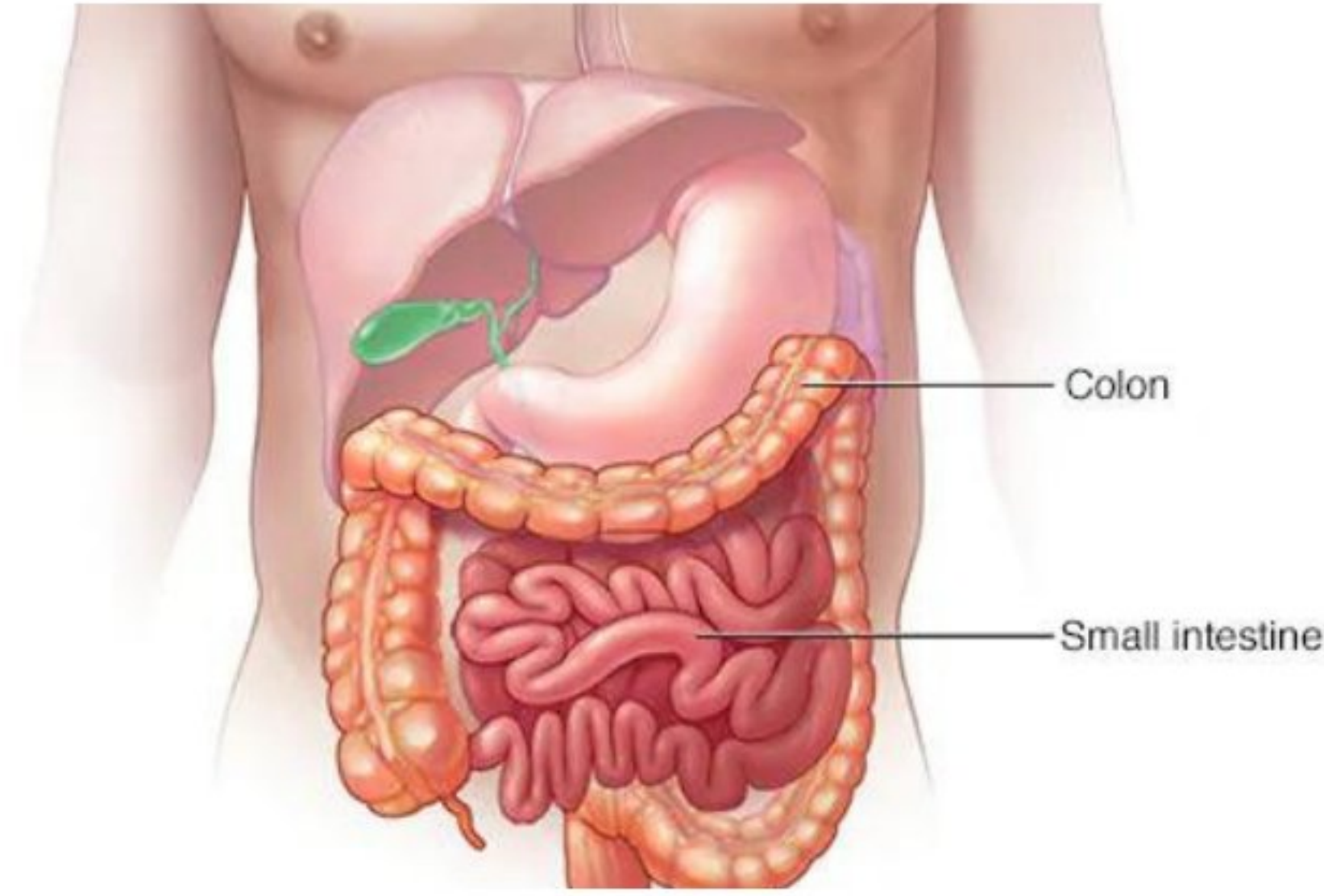
- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।
- भोजन को व्यवस्थित रूप से तोड़ता है।
- भोजन से पानी व तरल पदार्थ को अलग करता है ।
- पोषक तत्वों को रक्त में मिलाता है।

# छोटी आंत के कार्य



- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।
- भोजन को व्यवस्थित रूप से तोड़ता है।
- भोजन से पानी व तरल पदार्थ को अलग करता है ।
- पोषक तत्वों को रक्त में मिलाता है।
- बचे हुए भोजन के कचरे को बड़ी आंत में धकेलता है ।

# छोटी आंत के कार्य



- छोटी आंत वह जगह है जहां पाचन की अधिकांश लंबी प्रक्रिया होती है।
- भोजन को व्यवस्थित रूप से तोड़ता है।
- भोजन से पानी व तरल पदार्थ को अलग करता है ।
- पोषक तत्वों को रक्त में मिलाता है।
- बचे हुए भोजन के कचरे को बड़ी आंत में धकेलता है ।
- इन सब प्रक्रिया में पांच घंटे तक लग सकते हैं।

# छोटी आंत खराब होने के लक्षण





# छोटी आंत खराब होने के लक्षण



- छोटी आंत आपके भोजन से पोषक तत्वों और पानी को अवशोषित करती है। यदि ये कार्य बिगड़ा हुआ है, तो आपके रक्त में पोषक तत्वों की कमी और पानी के मल ( दस्त ) का अनुभव कर सकते हैं



# छोटी आंत खराब होने के लक्षण



- छोटी आंत आपके भोजन से पोषक तत्वों और पानी को अवशोषित करती है। यदि ये कार्य बिगड़ा हुआ है, तो आपके रक्त में पोषक तत्वों की कमी और पानी के मल ( दस्त ) का अनुभव कर सकते हैं
- आपको अपच और कब्ज का अनुभव हो सकता है ।



# छोटी आंत खराब होने के लक्षण



- छोटी आंत आपके भोजन से पोषक तत्वों और पानी को अवशोषित करती है। यदि ये कार्य बिगड़ा हुआ है, तो आपके रक्त में पोषक तत्वों की कमी और पानी के मल ( दस्त ) का अनुभव कर सकते हैं
- आपको अपच और कब्ज का अनुभव हो सकता है ।
- पेट में दर्द



# छोटी आंत खराब होने के लक्षण



- छोटी आंत आपके भोजन से पोषक तत्वों और पानी को अवशोषित करती है। यदि ये कार्य बिगड़ा हुआ है, तो आपके रक्त में पोषक तत्वों की कमी और पानी के मल ( दस्त ) का अनुभव कर सकते हैं
- आपको अपच और कब्ज का अनुभव हो सकता है ।
- पेट में दर्द
- मतली और उल्टी हो सकती है ।





**आइये , अब हम आपको  
इन सब परेशानियों का एक  
उचित उपाय बताते हैं**

# Udar Cure Pro Herbal Formula



Ayurvedic  
Proprietary medicine

Herbal juice : 225 ml

Ayush, GMP,  
ISO, Kosher, and  
Halal certified

Product by  
Rayhope Global



Rayhope Global Marketing Private Limited



# Contents

- Awla
- Saunth
- Baheda
- Kalimirch
- Ajwain
- Bhumi Amla
- Harar
- Laung
- Kala namak





**आइए , उदर क्योर की प्रत्येक महत्वपूर्ण  
सामग्री के बारे में जानना शुरू करें**





- पाचन में मदद करता है
- पाचन में सुधार और एसिडिटी से राहत दिलाने में मदद करता है
- पॉलीफेनोल्स और विटामिन सी की उच्च उपस्थिति के कारण प्रतिरक्षा को बढ़ावा दें
- रक्त शुद्ध करता है
- रक्त गणना, हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाता है

## Amla

200 mg per 10 ml



# Sounth

75 mg per 10 ml

- सूखी अदरक को सोंठ कहते हैं. सोंठ में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फाइबर, सोडियम, विटामिन ए और सी, जिंक, फोलेट एसिड, फैटी एसिड के गुण पाए जाते हैं.
- पेट संबंधी बीमारियों यानि गैस, अपच, खट्टी डकार की समस्या में राहत दिलाता है
- शरीर को मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं
- सिर दर्द और माइग्रेन को दूर करने में मदद करता है
- कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है
- जोड़ों के दर्द में आराम देता है





## **Baheda**

150 mg per 10 ml

- कब्ज से छुटकारा मिलता है
- गले के रोग दूर होते हैं
- आंखों की रोशनी बढ़ जाती है
- हाथ-पैर की जलन में लाभ मिलता है
- खांसी और बलगम से छुटकारा मिलता है





## **Kaali mirch**

25 mg per 10 ml

- वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है
- इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है
- रक्त में ग्लूकोज की मात्रा को कम करने में मदद करता है
- त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है
- ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल में मदद करता है





# Ajwain

100 mg per 10 ml

- अजवाइन आपकी पाचन क्षमता में सुधार करती है।
- पेट के संक्रमण को कम करती है।
- भूख और स्वाद में सुधार करती है।
- पेट के दर्द में उपयोगी होती है।
- पेट में ऐंठन को कम करती है।
- सूजन कम करती है।





## **kala namak**

25 mg per 10 ml

- कब्ज और पेट फूलने से राहत दिलाए
- वजन को कंट्रोल करे
- सीने की जलन से राहत दिलाए
- मधुमेह में को कण्ट्रोल करे





## Bhumi Amla

50 mg per 10 ml

यह एक पौधा है जो जिसको आयुर्वेदिक दवा के लिए इस्तेमाल किया जाता है , ये अक्सर बारिश के मौसम पाया जाता है

- यह पेट के अल्सर को रोकने में भी मदद करता है।
- इसके सेवन से गुर्दे (किडनी) में पथरी होने का खतरा भी कम हो जाता है।
- पित्त का संतुलन बनाए रखता है।
- अपच और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
- यह मधुमेह के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है क्योंकि यह रक्त शर्करा के स्तर को बैलेंस रखता है।





## Harad

150 mg per 10 ml



हरड़, जिसे हरीतकी भी कहा जाता है, एक प्रसिद्ध जड़ी-बूटी है। यह त्रिफला में पाए जाने वाले तीन फलों में से एक है

- पाचन तंत्र को सुधरता है
- गैस, अपच और कब्ज जैसी पेट की कई समस्याओं में लाभदायक है
- उल्टी में भी राहत दिलाता है
- दस्त की समस्या में भी राहत दिलाता है
- यह बवासीर में होने वाले दर्द को कम करने और रक्तस्राव को रोकने में मदद करता है।





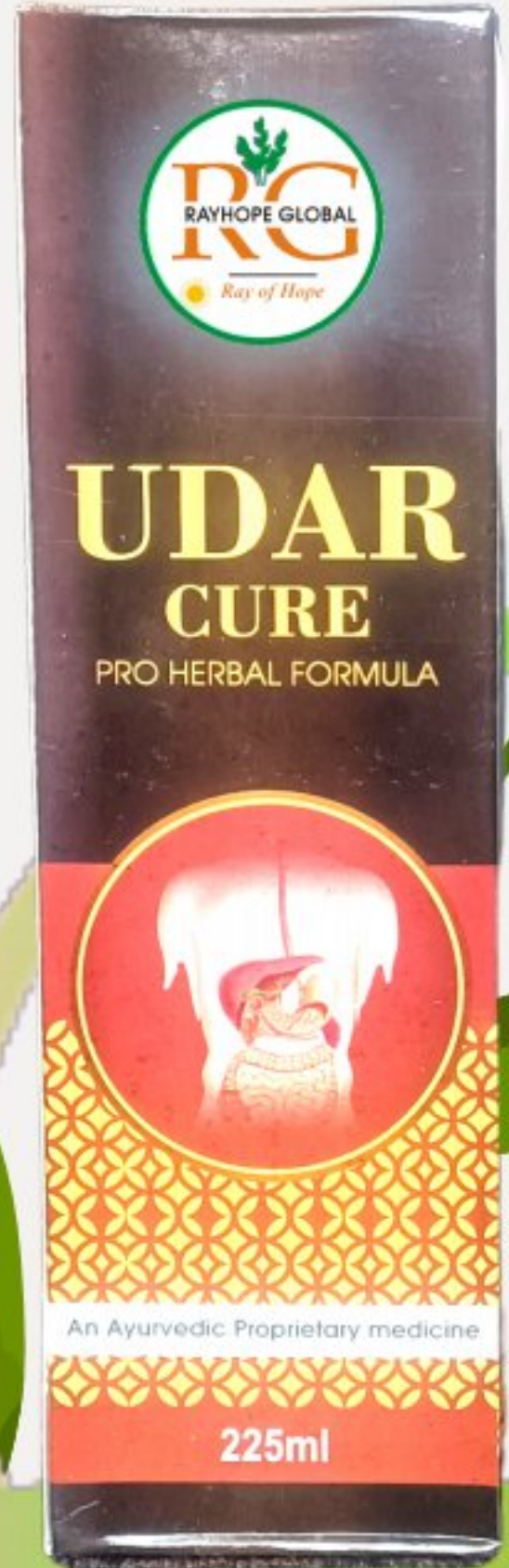
# Laung

25 mg per 10 ml

- पाचन में सुधार करता है
- जिगर (लिवर) के काम को बढ़ावा देता है
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं
- सिरदर्द का इलाज करता है
- कैंसर को रोकें



# इन स्थितियों में उदर क्योर का उपयोग किया जा सकता है



Ayurvedic  
Proprietary medicine

Herbal juice : 225 ml

M.R.P : 399

B.V : 135

- गैस , एसिडिटी और खट्टी डकार
- भूख न लगना
- अपच
- कब्ज
- मोटापा
- पेट के संक्रमण
- पेट के दर्द
- पेट के अलसर
- किडनी में पथरी
- उलटी
- बवासीर

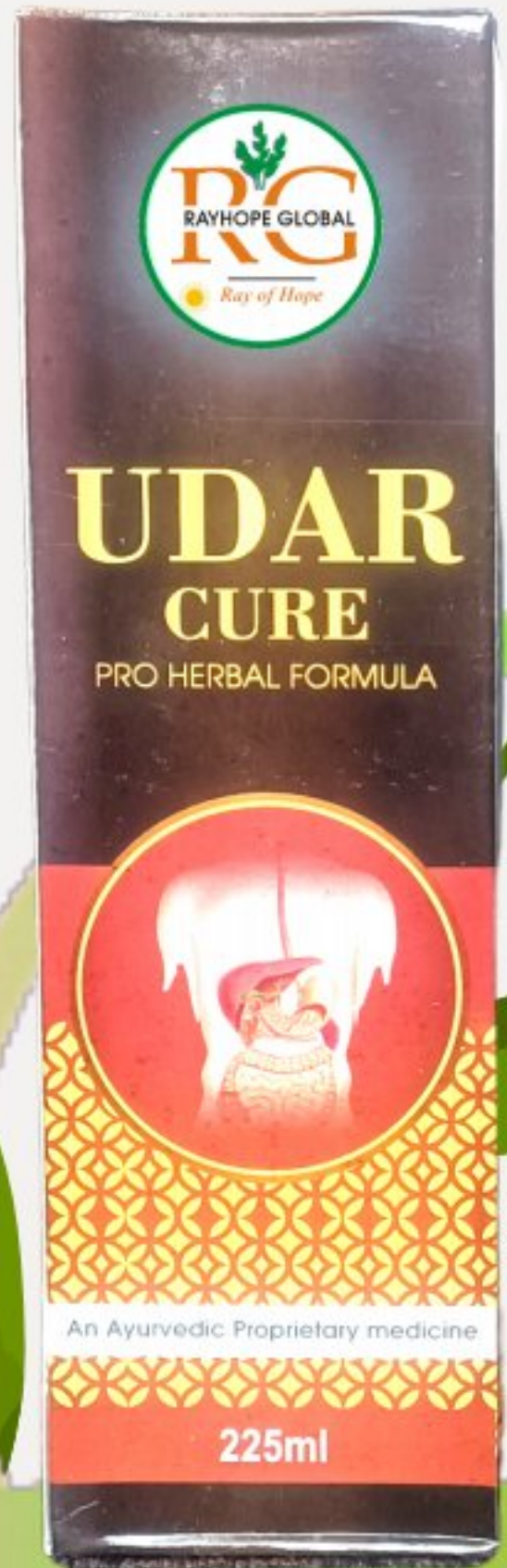
Product by  
Rayhope Global  
Marketing PVT LTD

Ayush, GMP,  
ISO, Kosher  
and Halal  
certified



Rayhope Global Marketing Private Limited

# Udar Cure Pro Herbal Formula



Ayurvedic  
Proprietary medicine

Herbal juice : 225 ml

M.R.P : 399

B.V : 135

## Dose

**10 से 12 मिलीलीटर** दिन में दो बार

Product by  
Rayhope Global  
Marketing PVT LTD

Ayush, GMP,  
ISO, Kosher  
and Halal  
certified



Rayhope Global Marketing Private Limited